तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com

कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

वर्ष 37 अंक 134 | कोरबा, शुक्रवार , दिनांक 13 फरवरी 2026 डाक 14 फरवरी 2026 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

सुनालिया ज्वेलर्स

हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता

मो. 94255-32524,94241-43922

पावर हाउस रोड, कोरबा

विविधा

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य विधानसभा के बजट सत्र में भाग लेने के लिए पटना पहुंचे।

देश-विदेश

जमशेदपुर में राष्ट्रव्यापी हड़ताल का व्यापक असर, 510 करोड़ का कारोबार ठप

फीचर पेज

भारत में पीली के साथ-साथ मिलती है नीली हल्दी, जानिए इस दुर्लभ मसाले के फायदे

विश्व रेडियो दिवस: पीएम मोदी ने रेडियो को बताया विश्वसनीय आवाज, कहा- ये सभी लोगों को जोड़ता है

नईदिल्ली 13 फरवरी [एजेंसी]।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को विश्व रेडियो दिवस के अवसर पर रेडियो की स्थायी प्रासंगिकता और परिवर्तनकारी शक्ति पर प्रकाश डाला और इसे एक विश्वसनीय आवाज बताया जो दूरदराज के गांवों और हलचल भरे शहरों में लोगों को समान रूप से जोड़ती है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, विश्व रेडियो दिवस एक ऐसे माध्यम का जश्न मनाने का दिन है जो दूरदराज के गांवों से लेकर हलचल भरे शहरों तक, लोगों की विश्वसनीय आवाज है। वर्षों से, रेडियो समय पर जानकारी देता रहा है, प्रतिभा को निखारता रहा है और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करता रहा है। यह दिन इस माध्यम से जुड़े सभी लोगों के प्रयासों को स्वीकार करने का दिन है। प्रधानमंत्री ने अपने मासिक रेडियो संबोधन मन की बात पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कैसे यह कार्यक्रम नागरिकों के साथ सीधे संवाद के लिए

एक अद्वितीय मंच के रूप में विकसित हुआ है। पीएम ने आगे कहा, मन की बात के माध्यम से मैंने रेडियो की उस क्षमता का प्रत्यक्ष अनुभव किया है जिसके द्वारा यह हमारे लोगों की सामाजिक शक्ति को उजागर कर सकता है। इस महीने का कार्यक्रम रविवार, 22 फरवरी को प्रसारित होगा। कार्यक्रम के लिए अपने सुझाव अवश्य साझा करें। प्रधानमंत्री की टिप्पणियां संचार के सबसे गतिशील, प्रतिक्रियाशील और आकर्षक माध्यमों में से एक के रूप में रेडियो के निरंतर महत्व को रेखांकित करती हैं। तेजी से हो रहे तकनीकी विकास और डिजिटल प्लेटफार्मों के प्रसार के बावजूद, रेडियो ने सहजता से खुद को अनुकूलित कर लिया है, और श्रोताओं को भाग लेने और जुड़ने के नए और इंटरैक्टिव तरीके प्रदान कर रहा है। भारत में, राष्ट्रीय प्रसारक और प्रमुख सार्वजनिक सेवा प्रसारक ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर), विश्व के सबसे बड़े प्रसारण संगठनों में से एक है। इसकी घरेलू सेवा में देश भर में 400 से अधिक स्टेशन शामिल हैं, जो भारत के लगभग 92 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र और कुल जनसंख्या के 99.19 प्रतिशत तक पहुंचते हैं। प्रसारक 23 भाषाओं और 146 बोलियों में कार्यक्रम प्रसारित करता है, जो देश की समृद्ध भाषाई विविधता को दर्शाता है। रेडियो एक शक्तिशाली और कम लागत वाले संचार उपकरण के रूप में काम करता रहता है, जो विशेष रूप से दूरस्थ समुदायों और समाज के कमजोर वर्गों तक पहुंचने के लिए उपयुक्त है, जिसमें निरक्षर, विकलांग व्यक्ति, महिलाएं, युवा और आर्थिक रूप से वंचित समूह शामिल हैं।

हाईवे पर बाइक से टक्कर के बाद कैंटर से भिड़ी कार, 7 लोगों की मौत

नई दिल्ली। कर्नाटक के बेंगलुरु में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां आज शुक्रवार सुबह ग्रामीण जिले होसकोटे के बाहरी इलाके में चेन रोड एक्सीडेंट में करीब सात लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, यह एक्सीडेंट होसकोटे-डबासपेट नेशनल हाईवे (NH-648) पर एम सत्यवारा गांव के पास हुआ। होसकोटे से देवनहल्ली की तरह जा रही XUV 700 कार मोटरसाइकिल से टकरा गई। मोटरसाइकिल से टकराने के बाद कार ड्राइवर का कंट्रोल खो गया और गाड़ी एक कैंटर से जाकर टकरा गई। कार, मोटरसाइकिल और कैंटर की टक्कर में एक और कार शामिल हो गई।

होसकोटे-डबासपेट नेशनल हाईवे पर चार वाहन एक के बाद एक टकराते चले गए। कार और मोटरसाइकिल की टक्कर के बाद कैंटर भी टकरा गया और बाद में एक और कार इस हादसे की चपेट में आ गई। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, इस हादसे में अब तक सात लोगों की मौत की खबर सामने आई है। शवों को होसकोटे सरकारी अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का अनुमान है कि सभी मृतक बेंगलुरु के कोथनूर के रहने वाले थे, हालांकि इन सभी की पहचान अभी कंफर्म नहीं हुई है।

अपराध के मुद्दे पर गरजा विपक्ष, विधानसभा परिसर में सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

पटना, 13 फरवरी [एजेंसी]।

बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर शुक्रवार को विधानसभा परिसर में सियासी तापमान बढ़ा रहा। मुख्य विपक्षी दल राजद के विधायकों ने पोर्टिको में एकजुट होकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। हाथों में पोस्टर और तख्तियां लेकर पहुंचे नेताओं ने कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। विपक्ष का आरोप था कि राज्य में अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। प्रदर्शन के दौरान परिसर में कुछ देर के लिए गहमागहमी का माहौल बना रहा। राजद नेताओं ने कहा कि हत्या, लूट और दुष्कर्म की वारदातों से लोग डरे हुए हैं। उनका दावा था कि संगठित अपराध की गतिविधियां भी बढ़ी हैं। विपक्ष ने आरोप लगाया कि आम जनता खुद को असुरक्षित महसूस कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार अपराध नियंत्रण में पूरी तरह विफल रही है। राज्य की छवि पर

भी इसका नकारात्मक असर पड़ रहा है। विपक्ष ने सरकार के विकास और सुशासन के दावों पर भी निशाना साधा। कहा कि अपराध के मामले में बिहार 'नंबर वन' बनने की ओर है। साथ ही प्रति व्यक्ति आय कम होने का मुद्दा भी उठाया गया। नेताओं ने कहा कि जमीनी हकीकत सरकार के दावों से अलग है। इस मुद्दे को सदन के अंदर भी जोर-शोर से उठाने की बात कही गई।प्रदर्शन के दौरान विपक्ष ने अपराध पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

उन्होंने चेतावनी दी कि स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो आंदोलन तेज होगा। सदन से लेकर सड़क तक संघर्ष जारी रखने का ऐलान किया गया। विपक्ष ने सरकार से जवाबदेही तय करने की मांग की। जनता की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात दोहराई गई। वहीं सत्ता पक्ष के नेताओं ने विपक्ष के आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है। सरकार ने अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई का दावा किया। सत्ता पक्ष का कहना है कि विपक्ष मुद्दों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहा है। इस बीच अपराध को लेकर सियासी घमासान जारी रहने के संकेत मिल रहे हैं।

डीजीपी की चेतावनी- चुनाव ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों से दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं

हैदराबाद। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी. शिवधर रेड्डी ने शुक्रवार को चेतावनी दी कि अगर कोई भी चुनाव प्रक्रिया में लगे सरकारी कर्मचारियों और पुलिसकर्मियों के खिलाफ अभद्रता करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीजीपी ने स्पष्ट तौर पर कहा कि नियमों के मुताबिक चुनाव कराने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे स्टाफ के साथ दुर्व्यवहार और हमला करने जैसी घटनाएं किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। उन्होंने एक बयान में कहा, कोई भी कानून से ऊपर नहीं है, चाहे वह जन प्रतिनिधि, उम्मीदवार या राजनीतिक दल के कार्यकर्ता हों। अगर अधिकारियों को उनकी ड्यूटी करने में रुकावट डाली जाती है तो कानून अपना काम करेगा। डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने चेतावनी दी, जो कोई भी चुनाव ड्यूटी पर सरकारी और पुलिस कर्मचारियों के खिलाफ गैर-कानूनी काम करेगा, चाहे वह किसी भी राजनीतिक दल से जुड़ा हो या उसका कोई प्रभाव हो, उसे गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। उन्होंने कहा, अगर आप चुनाव ड्यूटी पर सरकारी और पुलिस कर्मचारियों के खिलाफ कोई शिकायत करना चाहते हैं, तो आप स्टेट इलेक्शन कमीशन या बड़े अधिकारियों से शिकायत कर सकते हैं, लेकिन वे कानून अपने हाथ में लेने को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

हाथियों का आतंक, एक ही परिवार के चार सदस्यों समेत 6 को कुचलकर मार डाला

हजारीबाग, 13 फरवरी [एजेंसी]।

चुरचू प्रखंड के गोंदवार गांव में गुरुवारदेर रात हाथियों के हमले से 6 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में एक ही परिवार के चार सदस्य शामिल हैं। घटना रात लगभग एक से दो बजे के बीच की बताई जा रही है। इस हृदयविदारक घटना के बाद गांव में मातम और दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, पांच हाथियों का झुंड अचानक गांव में घुस आया। अधिकांश लोग गहरी नींद में थे। हाथियों ने कच्चे मकानों को क्षतिग्रस्त कर दिया और बाहर निकल रहे लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। ग्रामीणों ने शोर मचाकर हाथियों को भगाने का प्रयास किया, लेकिन झुंड काफी देर तक बस्ती के आसपास डटा रहा। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वन विभाग द्वारा क्षेत्र में गश्ती बढ़ा दी गई है तथा ग्रामीणों को रात के समय सतर्क रहने की हिदायत दी गई है।ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में हाथियों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है, जिससे जान-माल का खतरा बना रहता है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को शीघ्र मुआवजा और स्थायी समाधान की मांग की है। प्रशासन ने पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया है।

मृतकों में एक परिवार के चार लोगों में सूरज भूइया (55) वर्ष उसकी पुतोहु सुमन देवी (25) वर्ष और दो मासूम बच्चे हैं। एक मृतक का नाम मंगरा भुईयां (58) वर्ष और धनेश्वर राम वर्ष के करीब बताया गया। सूचना मिलते ही दारू और चरही वन विभाग की टीम रात में ही घटनास्थल पर पहुंची। यह इलाका दारू वन क्षेत्र के अंतर्गत आता है। दारू वन विभाग के फॉरेस्टर मुकेश कुमार ने बताया कि विभागीय टीम पुनः पहुंचकर तत्काल मुआवजा प्रक्रिया शुरू करेगी और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा। ग्रामीणों के अनुसार हाथियों का झुंड इन दिनों काफी उग्र है और करगी जंगल के आसपास देखा गया है।

सत्याग्रह एक्सप्रेस की बोगी में जंजीर से लटका मिला शव, रक्सौल स्टेशन पर मची अफरा-तफरी

रक्सौल (पूर्वी चंपारण)। आनंद विहार से रक्सौल पहुंची सत्याग्रह एक्सप्रेस के स्लीपर कोच संख्या-5 की बर्थ संख्या 57 पर एक 35 वर्षीय युवक ने लोहे की जंजीर से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।ट्रेन रात्रि करीब 11 बजे वाशिंग पिट पहुंची, जहां ऑन ड्यूटी रेलकर्मियों की नजर युवक पर पड़ी। इसकी सूचना तत्काल आरपीएफ और रेल पुलिस को दी गई। इसके बाद शव को कोच से नीचे उतारा गया। मृत युवक की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। रेल डीएसपी बेतिया राजेश कुमार ने फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल की जांच की।

प्रारंभिक जांच में शरीर पर किसी प्रकार के बाहरी चोट के निशान नहीं मिले हैं। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। इंस्पेक्टर सह रेल थानाध्यक्ष पवन कुमार ने बताया कि इस संबंध में यूडी केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पीएम मोदी ने तारिक रहमान को दी जीत की बधाई, कहा- बांग्लादेश के साथ खड़ा रहेगा भारत

नईदिल्ली 13 फरवरी [एजेंसी]।

बांग्लादेश में हुए चुनाव के बाद मतगणना जारी है। 17 साल बाद बांग्लादेश लौटे तारिक रहमान की पार्टी बीएनपी बहुमत का आकड़ा पार करते हुए प्रंचड जीत की ओर अग्रसर है। तारिक रहमान की पार्टी 212 सीटों पर जीत दर्ज कर चुकी है। वहीं, जमात 70 सीटों पर जीत दर्ज की है। ऐसे में तारिक रहमान का पीएम बनना तय है। बांग्लादेश में तारिक रहमान को मिली प्रंचड जीत के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीत की बधाई देते हुए अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मैं बांग्लादेश में पार्लियामेंट्री चुनावों में BNP को बड़ी जीत दिलाने के लिए मिस्टर तारिक रहमान को दिल से बधाई देता हूं। यह जीत बांग्लादेश के लोगों का आपके लीडरशिप पर भरोसा दिखाती है। भारत एक डेमोक्रेटिक, प्रोग्रेसिव और सबको साथ लेकर चलने वाले बांग्लादेश के सपोर्ट में खड़ा रहेगा। मैं हमारे कई तरह के रिश्तों को मजबूत करने और हमारे कॉमन डेवलपमेंट गोल्स को आगे बढ़ाने के लिए आपके साथ काम करने का इंतजार कर रहा हूं। बांग्लादेश की राजनीति में एक नये अध्याय की शुरुआत हो चुकी है और तारिक रहमान का पीएम बनना तय माना जा रहा है। भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश में लंबे राजनीतिक बदलावों के बाद नई लीडरशिप उभरकर सामने आई है। बांग्लादेश चुनाव में बीएनपी को मिली प्रंचड बहुमत से तारिक रहमान के प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ माना जा रहा है। भारत बांग्लादेश के चुनावी नतीजों पर बारीकी से नजर रख रहा है, क्योंकि यह नतीजा न सिर्फ बांग्लादेश की राजनीति के लिए बल्कि भारत के लिए भी महत्वपूर्ण है। बांग्लादेश चुनाव का असर नई दिल्ली और ढाका के संबंधों पर पड़ सकता है। खासकर ऐसे वक्त में जब, भारत समर्थक शेख हसीना के आवामी लीग को चुनाव लड़ने से रोक दिया गया है।

सीएम साय ने विजया एकादशी की प्रदेशवासियों को बधाई दी

रायपुर 13 फरवरी। सीएम विष्णुदेव साय ने विजया एकादशी की प्रदेशवासियों को बधाई दी। सीएम साय ने कहा, नमोः नारायणाय॥ भगवान श्री विष्णु जी की कृपा प्राप्ति के पावन पर्व विजया एकादशी की समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। जगत के पालनकर्ता श्री हरि विष्णु जी आप सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और सफलता का आशीर्वाद प्रदान करें।

फिल्ममेकर विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेताम्बरी को बड़ी राहत, करोड़ों की ठगी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दी जमानत

नई दिल्ली 13 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने धोखाधड़ी के मामले में फिल्ममेकर विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी भट्ट को दी जमानत दे दी है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने उन्हें उदयपुर जेल से तुरंत रिहा करने का आदेश दिया और चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट से नियम और शर्तों को बताते हुए जमानत का आदेश पास करने को कहा।

दिल्ली के उस्मानपुर में पुलिस का एक्शन, एनकाउंटर में असद गैंग के तीन बदमाश घायल, SI बाल-बाल बचे

नईदिल्ली 13 फरवरी [एजेंसी]।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के उस्मानपुर इलाके में देर रात दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच (शकरपुर टीम) और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस के अनुसार, उन्हें सूचना मिली थी कि मेरठ के कुख्यात आसद गैंग का सरगना अपने साथियों के साथ उस्मानपुर क्षेत्र में आने वाला है। सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम ने इलाके में घेराबंदी की। इसी दौरान बाइक पर सवार तीन संदिग्ध बदमाश वहां पहुंचते दिखाई दिए। पुलिस टीम ने उन्हें रुकने और आत्मसमर्पण करने के लिए ललकारा। खुद को पुलिस से घिरा देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में क्राइम ब्रांच की टीम ने भी गोली चलाई, जिसमें तीनों बदमाशों के पैर में गोली लगी। पुलिस ने उन्हें मौके पर ही काबू कर लिया। मुठभेड़ के दौरान बदमाशों की एक गोली एक सब-इंस्पेक्टर को छूते हुए निकल गई, जिससे वह बाल-बाल बच गए। घायल तीनों बदमाशों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, इन आरोपियों के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक

चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार

डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010

-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)

डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894

सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।

मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)

विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...

पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

देहरादून में रिश्तों का खौफनाक अंत, 14 करोड़ की डील के लिए मां बनी बेटे की कातिल, 12 लाख में बुलाए शूटर

देहरादून, 13 फरवरी [एजेंसी]।

अर्जुन हत्याकांड रिश्तों की ऐसी दर्दभरी कहानी है, जहां प्रापर्टी और पैसे के मोह ने एक मां को ही कुमाता बना दिया। संपत्ति का विवाद ऐसे मोड़ पर आ खड़ा हुआ कि मां ने अपनी ममता का गला घोंटकर बेटे की हत्या की ही सुपारी दे डाली। मां बीना शर्मा ने अपने पुराने परिचित विनोद उनियाल के साथ मिलकर अपने बेटे की हत्या करवाने में जरा भी संकोच नहीं किया। अर्जुन शर्मा के पिता कर्नल रमेश चंद्र शर्मा 38 वर्ष की उम्र में सेवा के दौरान बलिदान हुए थे। इसके बाद केंद्र सरकार ने उनकी पत्नी बीना शर्मा को आजीविका के लिए गैस एजेंसी आवंटित की थी, जो पिछले वर्षों से उनकी पैतृक संपत्ति के रूप में संचालित हो रही है और जमीन अर्जुन व उसकी मां बीना शर्मा के नाम पर थी। इसी गैस एजेंसी की संपत्ति को लेकर परिवार में कलह चल रहा था। जिस कारण मां और बेटे में दूरियां पैदा

हुईं। दोनों कोर्ट-कचहरी से लेकर पुलिस थाने में भी एक-दूसरे के खिलाफ हो गए थे। बीना शर्मा ने अपने बेटे अर्जुन से खतरा बताते हुए उच्च न्यायालय से सुरक्षा ली हुई थी। उच्च न्यायालय के आदेश के बाद उनकी सुरक्षा में एक महिला पुलिसकर्मी तैनात की गई थी। इसके बाद अर्जुन अपनी मां से अलग रहकर वसंत विहार में किराए के मकान पर रहने लगा। बीना शर्मा व विनोद उनियाल के बीच पिछले 15-20 सालों से गहरा रिश्ता था। बीना शर्मा करोड़ों रुपये विनोद उनियाल के खातों में ट्रांसफर कर चुकी थी। डा. अजय खन्ना की अर्जुन शर्मा की मां बीना शर्मा से जीएमएस रोड स्थित उनकी संपति को खरीदने के एवज में 14 करोड़ रुपये मे डील हुई थी, जिसमें से अब तक 08 करोड़ रुपये उसने बीना शर्मा को दिए थे, जोकि बीना शर्मा ने विनोद उनियाल के खाते में ट्रांसफर कर दिए। अर्जुन शर्मा ने उसकी मां की ओर से बेची गई प्रापर्टी पर न्यायालय से स्टे ले लिया। करोड़ों रुपये देने के बाद व प्रापर्टी पर कब्जा न मिल पाने के कारण डा. अजय खन्ना काफी परेशान चल रहा था तथा बीना शर्मा पर अपने रुपए वापस देने का दबाव बना रहा था।

इसको लेकर बीना शर्मा व अर्जुन शर्मा के बीच विवाद व झगड़ा होता रहता था। इसी कारण विनोद उनियाल, उनके परिचित डा. अजय खन्ना व मृतक की मां बीना शर्मा का अर्जुन शर्मा से प्रापर्टी व पैसों के लेनेदेन को लेकर विवाद चल रहा था। पूर्व में दोनो पक्षों ने एक दूसरे के विरुद्ध मुकदमे दर्ज कराए हैं। जमीन पर अर्जुन शर्मा की ओर से विक्रय पर स्टे लेने तथा मोटी धनराशि देने के बावजूद भी प्रापर्टी पर मालिकाना हक नहीं मिल पाने पर बीना शर्मा, अजय खन्ना व विनोद उनियाल ने अर्जुन शर्मा को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। इसके लिए उन्होंने मूल रूप से ग्राम देवीखाल, पोस्ट गुमखाल, कोटद्वार जिला पौडी गढवाल निवासी पंकज राणा व उसके भाई राजीव राणा को हायर किया।

सेपेरों की बस्ती में पहुंची प्रेरणा महिला समिति ने दिखाए सामाजिक सरोकार

यहां के लोगों को उनकी जरूरत का दिया गया सामान

कोरबा । श्रद्धा महिला मंडल, एसईसीएल बिलासपुर की अध्यक्षा श्रीमती शशि दुहन एवं सभी उपाध्यक्षा द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों से प्रेरित होकर केन्द्रीय उत्खनन कर्मशाला, गेवरा की प्रेरणा महिला समिति द्वारा 11 फरवरी को सपेरा बस्ती, नुनेरा (दीपिका) में एक सामाजिक कल्याणकारी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के दौरान 40 जरूरतमंद महिलाओं को साड़ियाँ वितरित की गईं। इसके साथ ही वहाँ उपस्थित सभी जरूरतमंदों को स्वल्पाहार के रूप में फूड पैकेट भी प्रदान किए गए। इस पहल का उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों की सहायता करना तथा उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना है।यह सेवा कार्य प्रेरणा महिला समिति अध्यक्षा श्रीमती निशा शर्मा की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति की सदस्यों — श्रीमती प्रियंका खरे, श्रीमती रश्मि टंडन, श्रीमती बबीता मेहरा एवं श्रीमती इतिश्री बड़ई — का विशेष योगदान रहा।

जिले में 16 फरवरी से 31 मार्च तक ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग प्रतिबंधित

कोरबा । कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री कुणाल दुदावत ने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा जारी हाई स्कूल/ हायर सेकेण्डरी मुख्य परीक्षा कार्यक्रम एवं शारीरिक प्रशिक्षण पत्रोपाधि परीक्षा 20 फरवरी से 18 मार्च 2026 तक आयोजन को दृष्टिगत रखते हुए परीक्षाओं के सुचारू रूप से संचालन एवं छात्र-छात्राओं की परीक्षाओं तैयारी में व्यवधान को रोकने हेतु विद्यार्थियों के हित में छत्तीसगढ़ कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा 18 के तहत् प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिले में 16 फरवरी 2026 से 31 मार्च 2026 तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया है। साथ ही विशेष परिस्थितयों एवं शासकीय कार्यो के लिए ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग करने की अनुमति संबंधित अनुभाग के अनुविभागीय दण्डाधिकारी सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों एवं उपरोक्त अधिनियम में उल्लेखित शर्तों के अधीन देंगे।

पाली कॉलेज में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब गठित

कोरबा। कोरबा जिले के सभी मतदान केंद्रों, सभी हायर सेकेण्डरी स्कूलों, कॉलेजों, उच्च शैक्षणिक संस्थानों में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब गठित किया जा रहा है। इसके तहत बुधवार को गवर्नमेंट नवीन कॉलेज पाली में सहायक जिला स्वीप नोडल अधिकारी सतीश प्रकाश सिंह की उपस्थिति में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब का गठन किया गया। ईएलसी क्लब के सदस्य, छात्र -छात्राओं से सहायक जिला स्वीप नोडल अधिकारी सिंह ने मतदाता साक्षरता क्लब के गठन के उद्देश्य के बारे में बताया। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के महत्व के बारे में भी जानकारी दी। इस मौके पर टीआर कश्यप, डॉ. शेख तस्लीम अहमद, डॉ. कविता ठक्कर, संत राम खांडेकर, वर्षा लकड़ा आदि उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि पर्व पर पाली में होंगे विविध अनुष्ठान, निकलेगी बारात

कोरबा। महाशिवरात्रि महोत्सव में अब मात्र 2 दिन शेष है। ऐसे में शिवालयों में तैयारियों को मूर्तरूप दिया जा रहा है। जिले का खास आकर्षण रहने वाला पाली का प्राचीन महादेव मंदिर है। जहां इस बार विविध अनुष्ठान होंगे और भोलेनाथ की बारात भी निकाली जाएगी। नौकोन्हिया तालाब के तट पर स्थित शिव मंदिर परिसर में गायत्री यज्ञ, महाशिवपूजन एवं विभिन्न संस्कार किए जाएंगे। जिसमें संसार की लौकिक सुख समृद्धि को बढ़ाने की विज्ञान सम्मत परंपरा निहित है। जहां देव शक्तियों के आह्वान, पूजन का मंगलमय समावेश रहेगा।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से सुदृढ़ हो रही किसानों की आर्थिक स्थिति

कोरबा। केंद्र सरकार की किसान हितैषी योजनाएं जिले के कृषकों के लिए संबल सिद्ध हो रही हैं। कोरबा जिले के ग्राम रिसदा निवासी कृषक श्री गोवर्धन सिंह इसका जीवंत उदाहरण हैं। श्री सिंह एक मेहनतकश किसान हैं और पिछले कई वर्षों से कृषि कार्य में संलग्न हैं। वे लगभग 18 वर्ष की आयु से खेती कर रहे हैं और वर्तमान में उनके पास लगभग चार एकड़ कृषि भूमि है, जिसमें वे मुख्य रूप से धान की फसल का उत्पादन करते हैं।

श्री सिंह प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के हितग्राही हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत मिलने वाली राशि समय पर सीधे उनके बैंक खाते में जमा हो जाती है, जिससे उन्हें खेती-किसानी के कार्यों में आर्थिक सहारा मिलता है। योजना से उन्हें वर्ष में तीन बार रूपये दो-दो हजार की किश्त समय पर प्राप्त हो जाती है। प्राप्त राशि का उपयोग वे बीज, खाद एवं अन्य कृषि आवश्यकताओं की पूर्ति में करते हैं। इससे खेती की लागत वहन करने में सुविधा होती है और आर्थिक दबाव कम होता है।

उन्होंने कहा कि समय पर आर्थिक सहायता मिलने से उन्हें किसी के सामने हाथ फैलाने की आवश्यकता नहीं पड़ती और वे आत्मसम्मान के साथ कृषि कार्य कर पा रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है।

मुख्य चिकित्सा एव स्वास्थ्य अधिकारी के द्वारा किया गया शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर का औचक निरीक्षण

कोरबा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी के द्वारा 12 फरवरी को शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर शिव नगर रूमगरा, चारपारा कोहड़िया तथा गेरवाघाट का औचक निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान दौरान उन्होने अधिकारियों/कर्मचारियों का उपस्थिती रजिस्टर, ओ.पी.डी., आई.पी.डी, प्रसव कक्ष,पीएनसी कक्ष दवा वितरण कक्ष, दवा भंडार कक्ष पैथोलॉजी कक्ष, वैक्सीनेशन कक्ष का निरीक्षण किए। निरीक्षण के दौरान उन्होने आवश्यक दस्तावेजों की जॉच किया तथा कमियों में सुधार के लिए आवश्यक निर्देश दिये।

केपीएल को जमीन नहीं,विस्तार से पहले जनआक्रोश

ग्रामीणों ने प्रशासन को ज्ञापन देकर बताए अपने इरादे

कोरबा। जिले में स्थित पूर्ववर्ती लैंको अमरकंटक को अडानी ग्रुप ने अधिग्रहित किया है। अब इस प्लांट में 800 मेगावाट के विस्तार की योजना सामने आई है। 27 फरवरी को केपीएल की प्रस्तावित जनसुनवाई से पहले ग्राम सरगबुंदिया में विरोध के स्वर तेज हो गए हैं।

सरगबुंदिया के सरपंच, बीडीसी सदस्य और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर साफ कहा है कि वे प्लांट विस्तार के लिए अतिरिक्त जमीन देने के पक्ष में नहीं हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कंपनी के पास पहले से उपलब्ध भूमि पर ही विस्तार किया जाए।ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि गांव की जमीन आजीविका का प्रमुख साधन है—खेती, चराई और स्थानीय संसाधन ग्रामीणों की रोजी-रोटी से जुड़े हैं। ऐसे में और जमीन अधिग्रहण से सामाजिक व आर्थिक संकट गहरा सकता है। ग्रामीणों का तर्क है कि उद्योग विकास का विरोध नहीं है, लेकिन विकास की कीमत गांव की जमीन और पर्यावरण नहीं हो सकता। उनका कहना है कि—कंपनी पहले से अधिग्रहित भूमि का समुचित उपयोग करे।पर्यावरणीय प्रभावों की पारदर्शी जानकारी दी जाए। स्थानीय लोगों को रोजगार और पुनर्वास के स्पष्ट प्रावधान बताए जाएं। 800 मेगावाट विस्तार के साथ उत्पादन क्षमता बढ़ेगी, लेकिन इससे प्रदूषण, जल उपयोग और परिवहन दबाव भी बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले से संचालित इकाई के प्रभावों का आकलन सार्वजनिक होना चाहिए, तभी किसी नए विस्तार पर विचार संभव है। 27 फरवरी की जनसुनवाई पर नजर।अब सबकी निगाहें 27 फरवरी को होने वाली जनसुनवाई पर टिकी हैं। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि प्रशासन और कंपनी ग्रामीणों की आपत्तियों पर क्या रुख अपनाते हैं।

कलश यात्रा के साथ पांच दिवसीय महाशिवरात्रि महोत्सव का शुभारंभ

कोरबा। पांच दिवसीय महाशिवरात्रि महोत्सव के तहत रुद्र यज्ञ व महा रुद्राभिषेक का शुभारंभ गुरुवार को कलश यात्रा के साथ हो गया है। नगर निगम कोरबा की आवासीय कालोनी स्थित श्री महामृत्युंजय मंदिर अगले पांच दिनों तक शिवभक्तों को पूजा अनुष्ठान में शामिल होने का मौका मिलेगा। निकाली गई कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर कालोनी का भ्रमण कीं। महामृत्युंजय मंदिर से निकाली कलश यात्रा कालोनी का भ्रमण करने के बाद वापस मंदिर पहुंची। जहां वेदी पूजन, कलश स्थापना के साथ यज्ञ अनुष्ठान शुरु हुआ। महाशिवरात्रि महोत्सव का समापन 16 फरवरी को होगा।

निगम के आवासीय परिसर में स्थित श्री महामृत्युंजय शिव मंदिर में महाशिवरात्रि महोत्सव का आयोजन 43वें वर्ष किया जा रहा है। श्री महामृत्युंजय शिव मंदिर समिति के अध्यक्ष अरूण कुमार शर्मा ने बताया कि आचार्य नागेन्द्र पाण्डेय के मार्गदर्शन में आयोजित महाशिवरात्रि महोत्सव के प्रथम दिवस मंदिर प्रांगण से भव्य कलश यात्रा निकाली गई।

पंचांग पूजन एवं यज्ञ मण्डप प्रवेश आदि के आयोजन संपन्न कराए गए। उन्होंने बताया कि 13 फरवरी को अग्नि स्थापना एवं यज्ञ प्रारंभ, 14 फरवरी को देवपूजन एवं यज्ञाहुति, 15 फरवरी को महाशिवरात्रि पर्व, रूद्राभिषेक, देवपूजन एवं यज्ञाहुति जिसमें रूद्राभिषेक का कार्यक्रम सात साढ़े 8 बजे से प्रारंभ होगा। 16 फरवरी को यज्ञ की पूर्णाहुति व वसोधारा एवं सहस्त्रधारा आदि के धार्मिक आयोजन कराए जाएंगे। श्री महामृत्युंजय शिव मंदिर समिति के द्वारा श्रद्धालुजनों, आमनागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे महाशिवरात्रि महोत्सव के अवसर पर अपनी उपस्थिति प्रदान करें तथा धर्म व पुण्य लाभ अर्जित करें।

रामसागर पारा आंगनवाड़ी में मनाया वजन त्यौहार

कोरबा । शासन के निर्देशानुसार कोरबा जिले के रामसागर पारा, वार्ड क्रमांक 1 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 03 में 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों का वजन उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम के तहत क्षेत्र के सभी बच्चों का एक-एक कर इलेक्ट्रॉनिक मशीन से वजन किया गया। आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकर्ताओं द्वारा बच्चों के अभिभावकों को नियमित वजन कराने के महत्व एवं संतुलित और पौष्टिक आहार देने के संबंध में जानकारी दी गई। इस अवसर पर शिशुवती एवं गर्भवती माताओं को भी पोषण संबंधी आवश्यक सुझाव प्रदान किए गए। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कल्पना हेड़ताल, राहिजा रविंद्रम, सुषमा राम, सहायिका विमल जगत, मितानिन कार्यकर्ता कृष्णा कुशवाहा, भगवती मरावी, संजना पटेल, मधु जगत, छाया मसीह सहित अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ता उपस्थित रहीं। इसके अलावा उर्मिला पांडे, रश्मि मिश्रा, जय सिंह नेताम, संतोष गुप्ता एवं हर्ष शेखर पटेल सहित वार्ड के गणमान्य नागरिकों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

ब्लेड से जानलेवा हमला, 3 आरोपियों पर मामला दर्ज

कोरबा। मारपीट का बदला पिता ने अपने दो पुत्रों के साथ मिलकर युवक से बड़ी बेरहमीपूर्वक लिया। पिता और पुत्रों ने मिलकर मारपीट करते हुए उसके सिर पर ब्लेड से वार कर दिया जिससे सिर काफी गहरे तक फट गया है।प्रार्थी सुभाष श्याम पिता कैलाश श्याम उम्र 27 साल, ग्राम पोलमी थाना पाली का निवासी है। वह रोजी-मजदूरी का काम करता है।

घटना 9 फरवरी को उसका भाई विरेन्द्र श्याम एवं उसका दोस्त अनिल कुमार प्रायमरी स्कूल की तरफ से अपने घर बीचपारा पोलमी जा रहे थे। उसी समय शाम करीब 7 बजे गांव के ही रहने वाले आकाश डिक्सेना, आशीष डिक्सेना एवं उसके पिता हरी डिक्सेना आये और विरेन्द्र श्याम को गाली-गलौच करते हुये हरी डिक्सेना बोला कि तुम लोग मेरे बेटे आकाश को मारपीट किये हो। यह बात कहकर विरेनद्र श्याम को जान से मारने की धमकी देते हुये आकाश डिक्सेना ने सेविंग ब्लेड से उसके सिर में मारा और आशीष व हरी डिक्सेना ने हाथ-मुक्का से मारपीट किया है। पीड़ित को सिर, गला एंव पेट में चोट लगा है, जिसका सीएचसी पाली अस्पताल में ईलाज करा रहे हैं।

घायल के भाई सुभाष श्याम की रिपोर्ट पर आरोपी आकाश डिक्सेना, आशीष डिक्सेना व हरी डिक्सेना के विरुद्ध धारा 115 (2), 296, 3(5), 351 (3)- बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

जनपद पंचायत कोरबा में आनलाईन जन्म-मृत्यु पंजीयन हेतु प्रशिक्षण का आयोजन 16 फरवरी को

कोरबा आरजीआई पोर्टल से आनलाईन जन्म-मृत्यु पंजीयन हेतु 16 फरवरी को जनपद पंचायत कोरबा के सभाकक्ष में प्रातः 11 बजे से अपरांह 01 बजे तक तथा दोपहर 02 बजे से 04 बजे तक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। प्रशिक्षण जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय के अधिकारियों द्वारा दिया जायेगा।

जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी ने बताया कि जिला चिकित्सालय कोरबा, शहरी प्राथमिक केन्द्र ढोढ़ीपारा, एसईसीएल कोरबा , सीएसईबी पूर्व, ईएसआईसी अस्पताल कोरबा, किया जायेगा।

सामान्य और प्रथम पाली में 11 ओपन कास्ट माइंस में बेहतर रहा कार्य

एसईसीएल के जनसंपर्क विभाग ने बताया 34 फ़ीसदी उपस्थिति प्रभावित

कोरबा । एसईसीएल में देशव्यापी हड़ताल के प्रभाव को लेकर ट्रेड यूनियनों का दावा चाहे जो हो लेकिन एसईसीएल प्रबंधन ने विभिन्न क्षेत्रों से आंकड़े एकत्रित करने के आधार पर जनरल और प्रथम पाली की स्थिति स्पष्ट की। कहा गया कि इस दौरान 34 फीसदी उपस्थिति प्रभावित रही और 14 खदानों में आंशिक रूप से कोयला उत्पादन पर असर पड़ा। अन्य क्षेत्रों में स्थिति सामान्य रही।

एसईसीएल के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. सनीश कुमार ने हड़ताल की स्थिति और इसके प्रभाव को लेकर बयान जारी किया। उन्होंने बताया कि एसईसीएल की खदानों में कामकाज गुरूवार को भी बेहतर रूप से जारी रहा। खदानों और अन्य स्थलों पर निष्पादकता बेहतर रही। कोरबा सहित अन्य जिले में एसईसीएल की 20 ओपनकास्ट में से 9 में हड़ताल का आंशिक प्रभाव रहा जबकि 11 में कामकाज सामान्य रूप से चलता रहा। कोरबा जिले की मेगा माइंस दीपका में प्रथम दो पाली में कामकाज सामान्य रूप से जारी रहा। कुसमुंडा में आंशिक प्रभाव देखा गया वहीं गेवरा मेगा माइंस में कट्रिक्ट वर्कर्स के माध्यम से उत्पादन और अन्य कार्य कराए गए। जनरल और प्रथम पाली में यहां कामकाज की स्थिति संतोषजनक रही। अंडर ग्राउंड 35 खदानों में से 5 में आंशिक रूप से कामकाज प्रभावित हुआ जबकि बाकी में काम की रफ्तार सामान्य रही।

पीआरओ ने बताया कि सामान्य दिनों की तुलना में गुरुवार को अटेंडेंस में 34 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई और अन्य कर्मियों ने अपनी उपस्थिति काम पर दर्ज कराई। संपूर्ण एसईसीएल से प्राप्त शुरुआती डेटा के आधार पर ये आंकड़े जारी किए गए। डॉ. सनीश ने बताया कि द्वितीय और अंतिम पाली में स्थिति पूरी तरह से स्पष्ट हो सकेगी।उन्होंने कहा कि एसईसीएल प्रबंधन ने हड़ताल को लेकर पहले से रणनीतिक तैयारी की थी और कामगारों को बताया था कि उत्पादन में हमारी क्या भूमिका है और हमारी प्रतिबद्धता क्या होनी चाहिए।

कलेक्टर ने नवीन कश्यप के विरुद्ध की जिला बदर की कार्यवाही

कोरबा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कोरबा श्री कुणाल दुदावत ने आदेश जारी कर छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा-3 एवं 5 के तहत नवीन कश्यप उम्र 31 वर्ष, पिता-स्व. रामदयाल कश्यप, साकिन शांति नगर बल्गी, थाना बांकीमोंगरा जिला कोरबा को जिला बदर करते हुए आदेशित किया है कि वह 24 घंटे के अन्दर कोरबा तथा समीपवर्ती जिला बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, सक्ती, रायगढ़, सरगुजा, सूरजपुर, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, गौरला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले क्षेत्र से 01 वर्ष की अवधि के लिए बाहर चले जाएं

अनाचार के मामले में फास्ट ट्रैक कोर्ट ने आरोपी को दी उम्र कैद की सजा

कोरबा। 6 और 8 वर्ष की दो नाबालिक लड़कियों के साथ जबरन दुष्कर्म की वारदात को अजांम देने वाले आरोपी की सश्रम उम्रकैद की सजा से दण्डित किया गया है।

जानकारी के अनुसार थाना कटघोरा क्षेत्र अंतर्गत ढेलवाडीह निवासी आरोपी व्यासनारायण सोनवानी के द्वारा अपने ही क्षेत्र की दो नाबालिक लड़कियों को बहला फुसलाकर दुष्कर्म की घटना को अजांम दिया गया था। पीड़िता की मां की भांजी ने फोन कर उसे जानकारी दी कि उसकी पुत्री एवं पुत्री की सहेली को गलत नीयत से बैड टच कर गलत हरकत किया है। तब माँ ने अपनी पुत्री से पूछा तो बतायी कि आरोपी ने गलत काम किया है। आरोपी द्वारा पीड़तों के साथ किये गये उक्त कृत्य का वीडियो गवाह के द्वारा अपने मोबाईल में बनाया गया था। उक्त घटना की रिपोर्ट थाना कटघोरा में करायी गई थी जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी व्यासनारायण सोनवानी के विरूद्ध धारा 376 (2) (एन) (दो बार) भादवि एवं लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की धारा 06 (दो बार) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले को न्यायालय में पेश किया था।मामले की सुनवाई एफ.टी.एस.सी (पाक्सो) श्रीमती श्रद्धा शुक्ला शर्मा के विशेष न्यायालय में चल रही थी जहां आरोपी के विरूद्ध विवेचना के दौरान विवेचना अधिकारी तेज कुमार यादव के द्वारा अभियुक्त के विरूद्ध पर्याप्त सबूत जुटाये गये। विशेष न्यायालय एफटीएससी (पाक्सो) पीठासीन अधिकारी के द्वारा दोष प्रमाणित होने पर आरोपी व्यासनारायण सोनवानी को विभिन्न धाराओं में उम्रकैद की सजा दी गई। मामले में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक (पाक्सो) कटघोरा, शोधन राम देवांगन ने पैरवी की।

दो अधिकारियों के घरों से लाखों का सामान पार किया चोरों ने

कोरबा। एनटीपीसी कॉलोनी की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बड़ी चोरी की घटना हो गई। कॉलोनी के सरस्वती विहार क्षेत्र में दो वरिष्ठ अधिकारियों के सूने मकानों का ताला तोड़कर लाखों रुपये की चोरी कर ली गई। दर्री पुलिस मामले में जांच कर रही है।डीजीएम रंजन श्रीवास्तव और डीजीएम जीवराज जाट के घरों को निशाना बनाया गया। बताया जा रहा है कि दोनों ही अधिकारी बाहर यात्रा पर थे — रंजन श्रीवास्तव बाहर दौरे पर गए हुए थे, जबकि जीवराज जाट राजस्थान में अपनी पुत्री के विवाह समारोह में शामिल होने गए हैं। गौरतलब है कि कॉलोनी के प्रवेश द्वार पर गार्ड तैनात रहते हैं और जिस क्षेत्र में चोरी हुई वहां भी सुरक्षा व्यवस्था मौजूद रहती है।

इसके बावजूद हुई इस वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

700 घनमीटर रेत और 9 वाहन जब्त किया प्रशासन ने

कई क्षेत्रों में तस्करी करने वालों पर अंकुश

कोरबा। जिला खनिज जाँच अमला द्वारा गुरुवार को अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध संयुक्त कार्यवाही की गई। कार्रवाई के दौरान कुल 9 वाहनों को जप्त किया गया, जिनमें 2 ट्रक, 4 हाइवा, 1 जेसीबी, 1 चैन माउंट मशीन एवं 1 टिप्पर शामिल है।साथ ही दो अलग-अलग स्थानों में अवैध रेत भंडारण पाए जाने पर लगभग 700 घनमीटर रेत जप्त करते हुए खनिज नियमों के अंतर्गत आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ की गई है। कार्यवाही में मिट्टी, रेत एवं कोयला खनिज से संबंधित अवैध गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए आवश्यक दंडात्मक प्रक्रिया प्रचलन में लाई गई है।जिला प्रशासन द्वारा अवैध खनन पर सख्त निगरानी रखी जा रही है तथा भविष्य में भी ऐसी कार्यवाहियाँ निरंतर जारी रहेंगी।लगातार उठते रहे सिस्टम पर सवालजिले के अलग-अलग हिस्सों में गौण खनिज के अवैध खनन और परिवहन को लेकर काफी समय से गंभीर सवाल उठते रहे है। रेत तस्करी के मामले इसलिए चर्चा में रहे क्योंकि बारिश के दौरान जब एनजीटी के द्वारा 4 महीने की रोक लगाई जाती है तब भी बेख़ौफ़ तरीके से यह काम संचालित होता रहा। हसदेव, अहिरन, तान, सोन, लीलागर, चुइया नदी से प्रतिदिन रेत की तस्करी किए जाने के मामलों को लेकर लगातार राजनीतिक संरक्षण की बात भी सामने आती रही। इन सबसे हटकर प्रशासन ने बड़े पैमाने पर जो कार्रवाई की है उससे संदेश देने का काम किया है कि अवैध का मतलब अवैध होगा। और इस तरह के काम चाहे जो कोई करें , कारवाई तो होगी ही।

जीर्ण एवं कष्टसाध्य रोगों में आयुर्वेदिक पंचकर्म से नई उम्मीद

कोरबा । आयुष विभाग अंतर्गत स्पेशलाइज्ड थेरेपी सेंटर, सह संस्था सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटघोरा में राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत राष्ट्रीय संधिवात कार्यक्रम के अंतर्गत संधिवात, अस्थिगतवात, वातरक्त, अवबाहुक जैसे जीर्ण एवं कष्टसाध्य रोगों का आयुर्वेदिक पंचकर्म चिकित्सा पद्धति द्वारा प्रभावी उपचार किया जा रहा है। आधुनिक जीवनशैली, खान-पान की अनियमितता और शारीरिक गतिविधियों में कमी के कारण कम आयु में भी अस्थि-संधिगतवात रोगों की संख्या बढ़ती जा रही है, जो अत्यंत चिंताजनक है। इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए केंद्र में पंचकर्म चिकित्सा के माध्यम से जनकल्याणकारी पहल संचालित की जा रही है।

इस प्रयास का मूल उद्देश्य आमजन को आयुर्वेदिक पंचकर्म चिकित्सा पद्धति की सुरक्षित और प्रभावी भूमिका से अवगत कराना है। अस्थि-संधिगतवात रोगों की प्रारंभिक जांच के माध्यम से इनकी समय पर पहचान सुनिश्चित की जा रही है तथा पंचकर्म चिकित्सा के क्षेत्र में आयुष प्रणाली की क्षमता को जनसामान्य के समक्ष दृढ़ता से स्थापित किया जा रहा है।

स्पेशलाइज्ड थेरेपी सेंटर कटघोरा में रोगियों की विस्तृत जांच, परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान किया गया। पंचकर्म चिकित्सा के अंतर्गत स्नेहन, स्वेदन, कटिबस्ती, जानूबस्ती, मात्रावस्ति, नस्य, विरेचन और शिरोधारा जैसी पारंपरिक प्रक्रियाओं के माध्यम से अनेक जीर्ण एवं कष्टसाध्य रोगों का सफल उपचार किया गया। उपचार प्रक्रियाओं में रोगियों को राहत, सहजता और दीर्घकालिक लाभ प्राप्त हुए।पंचकर्म चिकित्सा अंतर्गत विगत वर्ष कुल 5399 पंचकर्म प्रक्रियाओं का सफलतापूर्वक निष्पादन किया गया। उपचार प्राप्त करने वाले रोगियों में पंचकर्म उपरांत शीघ्र स्वास्थ्य लाभ, पुनरावृत्ति में कमी और उच्च संतुष्टि देखने को मिली। क्षेत्र में आयुर्वेदिक पंचकर्म चिकित्सा के प्रति जनविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और लोग इसका लाभ लेने के लिए अधिक संख्या में केंद्र पहुंच रहे हैं। उपचार से लाभ हासिल करने वालीशुकवारा बाई, उम्र 52 वर्ष ने बताया कि वह दोनों घुटनों में अत्यधिक दर्द से पीड़ित थीं और चिकित्सकों द्वारा उन्हें ऑपरेशन की सलाह तक दे दी गई थी। स्पेशलाइज्ड थेरेपी सेंटर कटघोरा में उन्होंने पंचकर्म चिकित्सा के अंतर्गत अभ्यंग, नाड़ी स्वेदन और जानूबस्ती की प्रक्रियाएं लीं। लगभग एक माह के उपचार के बाद उन्हें आशातीत राहत मिली। घुटनों के दर्द में भारी कमी आई, चलने-फिरने में सहजता बढ़ी और उन्हें ऑपरेशन की आवश्यकता नहीं रह गई। आज वे सामान्य जीवनशैली के साथ अपनी दैनिक गतिविधियों को आरामपूर्वक पूरा कर पा रही हैं और पंचकर्म चिकित्सा को अपने लिए जीवनदायी मानती हैं।स्पेशलाइज्ड थेरेपी सेंटर कटघोरा में आयुर्वेदिक पंचकर्म चिकित्सा जीर्ण और कष्टसाध्य रोगों में अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रही है। इस चिकित्सा पद्धति ने अनेक रोगियों को राहत प्रदान की है और कई मामलों में शल्य क्रिया की आवश्यकता भी समाप्त कर दी है। इस पहल से न केवल स्वास्थ्य लाभ बढ़ा है, बल्कि आयुर्वेदिक चिकित्सा प्रणाली के प्रति लोगों का विश्वास भी उल्लेखनीय रूप से मजबूत हुआ है।

अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर जिला खनिज जाँच दल की बड़ी कार्यवाही

कोरबा । कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देश एवं उप संचालक खनिज प्रशासन प्रमोद नायक के मार्गदर्शन में जिला खनिज जाँच अमला द्वारा आज अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध संयुक्त कार्यवाही की गई। कार्रवाई के दौरान कुल 9 वाहनों को जप्त किया गया, जिनमें 2 ट्रक, 4 हाइवा, 1 जेसीबी, 1 चैन माउंट मशीन एवं 1 टिप्पर शामिल है। साथ ही दो अलग-अलग स्थानों में अवैध रेत भंडारण पाए जाने पर जप्त करते हुए खनिज नियमों के अंतर्गत आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ की गई है।आज की कार्यवाही में मिट्टी, रेत एवं कोयला खनिज से संबंधित अवैध गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए आवश्यक दंडात्मक प्रक्रिया प्रचलन में लाई गई है।जिला प्रशासन द्वारा अवैध खनन पर सख्त निगरानी रखी जा रही है तथा भविष्य में भी ऐसी कार्यवाहियाँ निरंतर जारी रहेंगी।

तेज रफ्तार पिकअप से टक्कर में युवक की मौत, बम्हनीडीह चौक में चक्का जाम

जिला पंचायत उपाध्यक्ष के समझाइश पर चक्काजाम हुआ शांत

बम्हनीडीह । ब्लॉक मुख्यालय बम्हनीडीह अंतर्गत ग्राम पोड़ीशंकर चौक में चांपा - बिर्रा मार्ग पर दर्दनाक सड़क हादसे में बनडभरा निवासी तरुण बंजारे की मौत हो गई युवक मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहा था तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार पिकअप से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप सड़क से उतरकर खेत में जा घुसी और बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया । दुर्घटना की सूचना मिलते ही बम्हनीडीह पुलिस के प्रधान आरक्षक सुनील सिंह एवं आरक्षक अमीर पैकरा तत्काल सहित बम्हनीडीह पुलिस मौके पर पहुंचे पुलिस बल ने घायल को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बम्हनीडीह पहुंचाया था । अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया, जिसके बाद परिजनों

सहित ग्रामीणों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बम्हनीडीह से शव उठा कर बस स्टैंड बम्हनीडीह के चौक पर शव रखकर चक्का जाम कर दिया और अपनी मांगों को लेकर सड़क अवरुद्ध कर दी ।

4 घंटे के मशक्कत के बाद शांत हुआ जनआक्रोश

बस स्टैंड बम्हनीडीह में मृतक के ग्रामीणों द्वारा लगभग 4 घंटे से चक्का जाम करने के बाद चक्काजाम समाप्त हुआ लाख समझाइश देने पर भी ग्रामीण अपने जिद पद अड़े रहे तत्पश्यात वहां जिला पंचायत उपाध्यक्ष गगन जयपुरिया पहुंचे जिन्होंने ग्रामीण सहित वाहन मालिक से बात की और ग्रामीणों का पक्ष लेते हुए वाहन मालिक से मुवावजे के रूप में मृतक के पिता को तत्काल 1 लाख रुपए उपलब्ध करवाया एवं प्रशासन की ओर से 25 हजार रुपए अलग से दी गई जिसके पश्चात चक्काजाम समाप्त हुआ । चक्काजाम के स्थिति को सम्हाले और आवागमन नियंत्रण हेतु SDM पवन कोसमा, SDOP यदुमनि सिदार, थाना प्रभारी कृष्णपाल सिंह, नायब तहसीलदार चंद्रकुमार साहू सहित पुलिस बल उपलब्ध रही ।

घटना अत्यंत दुखद है और एक युवा की असमय मृत्यु पूरे क्षेत्र के लिए पीड़ादायक है पीड़ित परिवार को मांगअनुसार तत्काल आर्थिक सहायता दिलाई गई है तथा आगे भी हर संभव सहयोग किया जाएगा, साथ ही प्रशासन को सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं

गगन जयपुरिया
जिला पंचायत उपाध्यक्ष

भाजपा मंडल चांपा द्वारा पं.दीनदयाल उपाध्याय की पुण्य तिथि पर नमन किया

चांपा । एकात्म मानववाद एवं अन्त्योदय के प्रणेता श्रद्धेय पं.दीनदयाल उपाध्याय जी* के पुण्य तिथि पर

भाजपा मंडल चांपा द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया,इस अवसर सभी भाजपा के ज्येष्ठ श्रेष्ठ कार्यर्ताओं के द्वारा अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें याद किया.इस अवसर पर प्रदीप नामदेव जी (अध्यक्ष नगर पालिका चांपा)लक्ष्मीचंद देवांगन जी जिला उपाध्यक्ष भाजपा,सलीम मेमन,संतोष थवाईत (चाबु)मंडल अध्यक्ष,शिशुपाल सिंह,योगेश अग्रवाल,गौतम यादव,गिरीश मोदी,टीकम कंसारी,गणेश श्रीवास,नरेंद्र ताम्रकार,प्रदीप यादव, सत्यप्रकाश सोनी,सहित बड़ी संख्या में भाजपा मंडल चांपा के कार्यकर्ता उपस्थित थे..

वार्षिक परीक्षा से पहले लाउड स्पीकर पर प्रतिबंध

जांजगीर। स्कूल और कॉलेज की वार्षिक परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए सक्ती कलेक्टर ने ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण संबंधी आदेश जारी किया है। आदेश का उद्देश्य परीक्षार्थियों को शांत माहौल उपलब्ध कराना और उनकी पढ़ाई में किसी तरह की बाधा न आने देना है।

शिव परिवार स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए महंत रामसुंदर दास

शिवरीनारायण। पुरानी बस्ती रायपुर स्थित श्री राम जानकी गोपीनाथ मंदिर के नवनिर्मित शिवालय में शिव परिवार स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह कार्यक्रम फाल्गुन कृष्ण नवमी तदनुसार 11 फरवरी 2026 को संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विधिवत हवन -पूजन के कार्यक्रम संपन्न होने के पश्चात भगवान शिव की आरती की गई एवं ओम जय शिव ओंकारा भोले जय शिव ओंकारा ब्रह्मा विष्णु सदाशिव अर्धांगी धारा स्तुति की गई। कार्यक्रम की समाप्ति के उपरांत सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया तथा भोग -भंडारे का भी आयोजन हुआ जिसमें सभी श्रद्धालु भक्तों ने मंदिर परिसर में प्रसाद प्राप्त किया। इस पूरे कार्यक्रम में महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास महाराज, पूर्व कैबिनेट मंत्री सत्यनारायण शर्मा, अजय तिवारी, महेंद्र अग्रवाल, सुरेश शुक्ला, चंद्रकांत यदु, आलोक पांडे, निर्मल दास वैष्णव सहित अनेक गणमान्य नागरिक गण सम्मिलित हुए।

ऋषभ देव को रसायन शास्त्र में पीएचडी की मिली उपाधी

पामगढ़ । समीपस्थ गांव भड़ेसर निवासी युवा प्राध्यापक ऋषभ देव पांडेय को कलिंगा विश्वविद्यालय रायपुर द्वारा रसायनशास्त्र में अपना शोध कार्य पूर्ण करने पर विद्या वाचस्पति की उपाधि दी गई है। ऋषभ देव ने अपना शोध छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले के भड़ेसर गांव के भूजल में भू-रासायनिक, सूक्ष्मजीवीय और भारी धातुओं के संदूषण का अध्ययन एक केस स्टडी विषय पर पूर्ण किया है। उन्होंने रसायनशास्त्र विभाग के प्रोफेसर डॉ. अपूर्वा एस के निर्देशन में यह शोध कार्य सम्पन्न किया गया है। उल्लेखनीय है ऋषभदेव विगत 08 वर्षो से कोरबा जशपुर सूरजपुर जिले के विभिन्न शासकीय महाविद्यालयों में अतिथि व्याख्याता के रूप कार्यरत रहने के पश्चात वर्तमान में पामगढ़ स्थित चैतन्य विज्ञान एवं कला महाविद्यालय (स्वशासी) में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। साथ में वे स्वतन्त्र लेखक के रूप में जनसत्ता, बिजनेस स्टैंडर्ड, दैनिक भास्कर, दैनिक जागरण जैसे राष्ट्रीय व् राज्यस्तरीय समाचार पत्रो के सम्पादकीय पृष्ठों के लिए गंभीर एवं समसमायिक विषयों पर लेख भी लिखते हैं।

शिव ध्वज फहराकर मनाई गई शिव जयंती

जांजगीर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज के स्थानीय सेवा केंद्र साधना भवन, जांजगीर में शिव जयंती का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह 8ः30 बजे शिव ध्वज फहराया गया। इसके बाद आध्यात्मिक संदेश के साथ प्रसाद वितरण किया गया।

वरिष्ठ राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी चन्द्रिका ने शिव जयंती के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत में देवी-देवताओं और महापुरुषों की जयंती मनाई जाती है, किंतु शिव का स्मरण रात्रि में विशेष रूप से किया जाता है। महाशिवरात्रि आत्मिक जागृति का प्रतीक है, जो अज्ञान रूपी अंधकार से ज्ञान रूपी प्रकाश की ओर ले जाने का संदेश देती है।

उन्होंने कहा कि निराकार शिव ज्योतिबिंदु स्वरूप होकर मानव माध्यम से कलियुग रूपी रात्रि से सतयुग रूपी नवीन युग की स्थापना का कार्य करते हैं। शिव ध्वज फहराना नई आध्यात्मिक चेतना और सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक है। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी सरस्वती, ब्रह्माकुमारी खुशबू, बीके फिरतु, बीके कमलेश सिंह सहित संस्था से जुड़े सदस्य और बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ। मीडिया प्रभारी बीके फिरतु ने बताया कि शिव जयंती के माध्यम से समाज में शांति, सद्भाव और नैतिक मूल्यों के प्रसार का संदेश दिया गया।

डीपीआई को टीचर्स एसोसिएशन ने सौंपा मांगों का ज्ञापन

जांजगीर-चांपा । छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा के नेतृत्व में ऋतुराज रघुवंशी संचालक डीपीआई, अशोक नारायण बजारा सहायक संचालक एचसी दिलावर सहायक संचालक से मुलाकात करके शिक्षक (एलबी) संवर्ग के मांगो को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने चर्चा करते हुए कहा कि उच्च न्यायालय द्वारा पारित निर्णय के तहत पेंशन के लिए पूर्व सेवा की गणना करने, 30 हजार सहायक शिक्षक पदोन्नति एवं क्रमोन्नति से वंचित है, क्रमोन्नति/समयमान के लिए निर्धारित 10 वर्ष की सेवा को एक बार (वन टाइम रिलैक्सेशन) शिथिल करते हुए 5 वर्ष किया जाए। प्रदेश उपाध्यक्ष बसंत चतुर्वेदी ने बताया कि डीपीआई ने ऋतुराज रघुवंशी प्रतिनिधिमंडल को चर्चा में कहा कि प्राचार्य प्रतीक्षा सूची पदोन्नति की प्रक्रिया शासन स्तर पर जारी है, यह शीघ्र होगा।

शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर 8.45 करोड़ की ठगी

जांजगीर-चांपा। शेयर मार्केट में इन्वेटमेट के नाम पर 8.45 करोड की ठगी करने वाले आरोपी को पुलिस ने पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार प्रार्थी भूधर प्रसाद देवांगन उम्र 38 वर्ष निवासी अखराभांठा सक्ती ने 30 जनवरी को थाना चांपा में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह एकाउंटेंट का काम करता है। उसकी जान पहचान कलकत्ता निवासी विश्वजीत देबनाथ से सन 2021 मे चाम्पा मे मेदी लाल देवांगन के माध्यम से हुआ था। प्रार्थी देबनाथ ने शेयर मार्केट मे पैसा लगा कर ज्यादा कमाई होने का प्रलोभन दिया और साथ ही बोला कि जितना पैसा लगाओगे उस पर पांच प्रतिशत ब्याज प्रति महिना और साथ ही उसके द्वारा बोला गया कि जितना अधिक से अधिक लोग इसमे रकम इन्वेनस्टमेंट करेंगे उसमें भी आपको लाभ होगा। उसके प्रलोभन एवं झांसे में आकर प्रार्थी एवं अन्य लोगो के द्वारा राशि 8 करोड़ 45 लाख रूपये नगद, आरटीजीएस, एनईएफटी एवं चेक के माध्यम से निवेश किया गया। कुछ लोगो को 8 माह एवं कुछ लोगो को

एक दो माह पांच प्रतिशत ब्याज के रूप मे दिया था, उसके बाद वह आना कानी करते हुए कंपनी में घाटा होना और कुछ समय बाद पूरा पैसा वापस करने का वादा करता रहा। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना चाम्पा में धारा 420, 34 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। मुखबिर सूचना के आधार आरोपी विश्वजीत देवनाथ को ईटला पोडा पारा पोस्ट कालीघाट थाना कोतवाली कृष्णानगर जिला नदिया पश्चिम बंगाल से पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर प्रार्थी एवं अन्य लोगों से निवेश कराना तथा उसी पैसो में से एक क्रेटा कार, कुछ सोना खरीदना तथा घर का पूरा रंगरोगन करवाना और सोना आई.डी.बी.आई बैंक में रखना तथा घर का कागज घर के आलमारी में रखना बताया। आरोपी के कब्जे से आरोपी के कब्जे से एक क्रेटा कार, 12 अलग-अलग बैंको का चेकबुक, 1 डेबिट कार्ड व 8 क्रेडिट कार्ड, एक पेन कार्ड, एक आधार कार्ड, एक ड्रायवरी लायसेंस एवं 3 नग महंगे मोबाईल एवं 30000 नंगद बरामद कर जब्त किया गया है। आरोपी को पुलिस रिमांड लिया गया है।

एकजुट होकर राष्ट्रव्यापी हड़ताल में निभाई सक्रिय भागीदारी

जांजगीर-चांपा। प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड चांपा में भी इस राष्ट्रव्यापी हड़ताल का व्यापक असर डॉ. संजय कुमार सिंह महासचिव, प्रकाश एम्प्लॉइज यूनियन के नेतृत्व में देखने को मिला। केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और स्वतंत्र फेडरेशनों के संयुक्त मंच द्वारा आहूत इस 12 फरवरी की औद्योगिक हड़ताल में स्थानीय स्तर पर सक्रिय भागीदारी श्रमिकों की एकजुटता को दर्शाती है। प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड चांपा में हड़ताल का संचालनं प्रकाश एम्प्लॉइज यूनियन के महासचिव डॉ. संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में किया गया। संघ के सभी पदाधिकारियों और कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे औद्योगिक कार्यों पर प्रभाव पड़ा। चांपा इकाई के कर्मचारियों ने भी वही मांगें दोहराईं जो राष्ट्रीय स्तर पर उठाई जा रही हैं, जिनमें श्रमिक विरोधी चारों श्रम संहिताओं का निरस्तीकरण, सभी श्रमिकों के लिए सार्वभौमिक सामजिक सुरक्षा, मनरेगा की बहाली, न्यूनतम मजदूरी 26000 रुपए, समान कार्य के लिए समान वेतन, स्थायी नौकरियों के निजीकरण व आउटसोर्सिंग पर रोक, फिक्स्ड टर्म रोजगार की वापसी,सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के विनिवेश एवं निजीकरण पर रोक, श्रमिक विरोधी, जनविरोधी बिजली विधेयक, किसान विरोधी बीज विधेयक तथा अन्य किसान विरोधी नीतियों की वापसी, न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी, भूमि, आजीविका एवं खाद्य सुरक्षा और पुरानी पेंशन योजना की बहाली की मांग शामिल समर्थन प्राप्त होना इस बात का प्रतीक है है। आंदोलन को सभी कर्मचारियों का पूर्ण कि श्रमिक अपनी मांगों को लेकर गंभीर हैं। इस अवसर पर शिवदयाल वर्मा, हरीश श्रीवास्तव, राज कुमार सरोज, तापस दत्ता, योगेश देवांगन सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नगर पंचायत बम्हनीडीह में हरे-नीले डस्टबिन वितरण से जागरूकता बढ़ी

बम्हनीडीह. नगर पंचायत बम्हनीडीह में पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सिदार घाट मुक्तिधाम परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, साथ ही स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत नगर के विभिन्न वार्डों में हरा एवं नीला डस्टबिन वितरण किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, युवाओं एवं स्थानीय नागरिकों की सहभागिता देखने को मिली।

आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना, कचरा पृथक्करण की आदत विकसित करना तथा बढ़ती गर्मी और पर्यावरण असंतुलन को देखते हुए अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करना रहा। सिदार घाट मुक्तिधाम में लगाए गए पौधों के माध्यम से नगर पंचायत ने यह संदेश दिया कि अंतिम संस्कार स्थलों को भी हरित और स्वच्छ बनाया जाना आवश्यक है। कार्यक्रम में मौजूद जनप्रतिनिधियों ने स्वयं पौधारोपण कर लोगों को प्रेरित किया। उपस्थित नागरिकों ने भी पौधों की देखरेख का संकल्प भी लिया। मुक्तिधाम जैसे सार्वजनिक स्थलों पर हरियाली बढ़ाने से वातावरण शुद्ध होने के साथ-साथ क्षेत्र की सुंदरता में भी वृद्धि होगी। यह बात वक्ताओं ने विशेष रूप से रेखांकित की। कार्यक्रम में सक्ती जिला के पूर्व अध्यक्ष कृष्णकांत चंद्रा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और हर नागरिक को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। जिला पंचायत उपाध्यक्ष गगन जयपुरिया ने बढ़ते तापमान और गर्मी की समस्या का उल्लेख करते हुए कहा कि अधिक से अधिक पौधरोपण ही इसका स्थायी समाधान है। मंडल अध्यक्ष आशीष तिवारी ने स्वच्छता और हरियाली को नगर की पहचान बनाने की अपील करते हुए युवाओं से सक्रिय भागीदारी की अपेक्षा जताई। कार्यक्रम में गोकुल जायसवाल, आनंद अग्रवाल, पूर्व जनपद अध्यक्ष राजेंद्र जायसवाल, रमेश डडसेना, पवन केसरवानी, भूपेंद्र डडसेना, मोहन डडसेना, अजय सराफ, प्रमोद सुहाने सहित मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पंचायत बम्हनीडीह उपस्थित रहे।

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी
कोरबा वनमण्डल, कोरबा जिला कोरबा (छ.ग.)

Kosabadi Rajgamar Road, Korba, Email: ·dfo_korba@yahoo.co.in, Phone : 7587012300

क्रमांक/राजस्व/722 कोरबा, दिनांक 06/02/26

// नीलाम सूचना//

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कोरबा वनमंडल के अंतर्गत जलाऊ डिपो कोसाबाड़ी कोरबा में रखी गई निम्न विवरण अनुसार वनोपज जलाऊ लकड़ी का ई-ऑक्शन द्वारा निवर्तन किया जाना है। इच्छुक व्यापारी ई-ऑक्शन में अवश्य भाग लेवें। ई-ऑक्शन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय अथवा वन परिक्षेत्र कार्यालय, कुदमुरा उत्पादन से प्राप्त कर सकते हैं।

डिपो का नाम - जलाऊ डिपो कोसाबाड़ी
नीलाम दिनांक - 19.02.2026
नीलाम प्रारंभ - प्रातः 09:00 बजे से

वनोपज की अनुमानित मात्रा

डिपो का नाम	प्रजाति	पुराना वनोपज	नया वनोपज	योग
जलाऊ डिपो कोसाबाड़ी	सतकठा जलाऊ	404 चट्टा	1215 चट्टा	1619 चट्टा
उपभोक्ता डिपो कोसाबाड़ी	सतकठा जलाऊ	-	50 चट्टा	50 चट्टा
नगरीय डिपो कोसाबाड़ी	सतकठा जलाऊ	5 चट्टा	36 चट्टा	41 चट्टा
	कुल योग-	409 चट्टा	1301 चट्टा	1710 चट्टा

टीप :-
01. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।
02. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
03. लॉट की थप्पी एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई-ऑक्शन पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉगईन करके देख सकते हैं।
04. ई-ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात् प्रथम क्रेता को 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 30 सेकण्ड के पूर्व करने पर 20 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा।

वनमण्डलाअधिकारी
कोरबा वनमण्डल, कोरबा

जी-252606655/7

सक्ती में 6 लीटर महुआ शराब बरामद

सक्ती। जिले में आबकारी विभाग की टीम ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस ने घर से शराब बेचने वाले शख्स को गिरफ्तार किया है। साथ ही मौके से 6 लीटर महुआ शराब जब्त किया गया है। मामला ग्राम सोंठी का है।

ग्राम सोंठी का रहने वाला फेकूराम सतनामी (62) घर पर शराब बेचता था। गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर सहायक जिला आबकारी अधिकारी आशीष उप्पल ने छद्म खरीददार भेजकर शराब बिक्री की पुष्टि कराई।

इसके बाद टीम ने आरोपी के घर में तलाशी ली। शुरुआती जांच में कुछ नहीं मिला, लेकिन घर के पीछे बाथरूम के पास महुआ शराब की गंध आने पर छत की एस्बेस्टस शीट में छिपाकर रखे 24 प्लास्टिक पाउच बरामद किए गए हर पाउच में 250 मिलीलीटर शराब थी, जिससे कुल 6 लीटर महुआ शराब जब्त की गई। आरोपी को विधिवत किया गया और उसके खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत केस दर्ज कर कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

आय से तीन गुना संपत्ति अर्जित करने वाले कृषि विभाग के सर्वेयर को तीन वर्ष की सजा

अंबिकापुर। कृषि विभाग के तत्कालीन सर्वेयर को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहस कोर्ट ने तीन वर्ष की सजा दी है। सर्वेयर राकेश रमण सिंह पर एसीबी ने 29 दिसंबर 2007 में कार्रवाई की थी। मामले में केस दर्ज कर एसीबी ने कोर्ट में वाद दायर किया था। करीब 19 साल बाद मामले में कोर्ट का फैसला आया।

विशेष न्यायाधीश ममता पटेल की कोर्ट ने आरोपी सर्वेयर अंबिकापुर मिशन चौक निवासी राकेश रमण सिंह 67 वर्ष को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 13(1)(ई) सहपठित धारा 13(2) के तहत तीन वर्ष व आईपीसी की धारा 468, 471,

201, के तहत तीन-तीन वर्ष की सजा सुनाई है। मामले में कोर्ट ने आरोपी पर 11 हजार रुपए का जुर्माना भी किया है। कोर्ट व एसीबी के अनुसार आरोपी राकेश रमन सिंह वर्ष 1988 से कृषि विभाग अंबिकापुर में सर्वेयर के पद कार्यरत था।पदस्थापना से कार्रवाई दिवस तक उसकी कुल आय 1,12,90,400 रुपए थी, जबकि आय की तुलना में 3,22,42,124 रुपए व्यय किया था। उसके आय के ज्ञात और वैध स्रोत से प्राप्त आय की तुलना में ये 2,09,51,724 रुपए अधिक था। आरोपी ने अपनी अवैध आय को ?छिपाने के आशय से छापा दिनांक के बाद कूटरचित केपिटल एकाउंट और बैलेंस शीट तैयार कर उन्हें फर्जी होना जानते हुए छल के आशय से अलग-अलग प्रपत्र के रूप में प्रस्तुत कर अपने अपराध का साक्ष्य छिपाया था।

मॉल बनाने जमीन पर कब्जा, पुलिस की रिपोर्ट पर दो सप्ताह में निर्णय के निर्देश

बिलासपुर। पॉम मॉल बनाने के लिए निजी जमीन पर कब्जे की शिकायत के पांच साल बाद भी कार्रवाई नहीं होने पर हाई कोर्ट में याचिका लगाई थी। हाई कोर्ट ने कोरबा के एसपी से शपथ पत्र मांगा था।

चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने संबंधित मजिस्ट्रेट को पुलिस की सप्लीमेंट्री रिपोर्ट पर दो सप्ताह के भीतर विधि के अनुसार आदेश पारित करने के निर्देश दिए हैं। कोरबा निवासी अंकित सिंह ने हाई कोर्ट में याचिका लगाई थी। मामले में खुद पक्ष रखते हुए बताया कि कोरबा के पाम मॉल निर्माण के दौरान उनकी जमीन पर अवैध कब्जा और राजस्व रिकॉर्ड में गड़बड़ी की गईं। इस संबंध में उनकी मां ने वर्ष 2020 में कोरबा के कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई थी, लेकिन पांच साल बाद भी पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। इस मामले को लेकर कोरबा के न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की कोर्ट ने 10 नवंबर 2025 को सात बिंदुओं पर 60 दिनों में आगे की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे, लेकिन निर्धारित अवधि में रिपोर्ट पेश नहीं की गई। हाई कोर्ट ने कोरबा के एसपी से शपथपत्र मांगा था। गुरुवार को सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से कहा गया कि जांच विधि के अनुसार की गई है। राजस्व अभिलेखों की प्राप्ति और विभागीय पत्राचार के कारण देरी हुई। कोरबा के एसपी ने शपथपत्र प्रस्तुत कर बताया कि सातों बिंदुओं पर जांच कर अंतिम सप्लीमेंट्री रिपोर्ट 7 फरवरी को ट्रायल कोर्ट में प्रस्तुत कर दी गई है। इस पर हाई कोर्ट ने कहा कि अब रिपोर्ट प्रस्तुत हो चुकी है। यदि याचिकाकर्ता को रिपोर्ट से किसी तरह की आपत्ति है तो वे विधि सम्मत उपाय अपना सकते हैं।

सक्ती में 20 लाख की सड़क एक माह में जर्जर

सक्ती। जिले के सकरेली कला में जिला विकास निधि से लगभग 20 लाख रुपए की लागत से बनी सड़क निर्माण के 30 दिनों के भीतर ही जर्जर हो गई। सड़क दो हिस्सों में टूट गई है, जिससे ग्रामीणों में रोष है। ग्रामीणों ने इसे घटिया निर्माण बताते हुए उच्चस्तरीय जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण में निर्धारित मापदंडों का पालन नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य के दौरान ही गुणवत्ता को लेकर शिकायतें की गई थी और इंजीनियर को कई बार सूचित किया गया था, लेकिन इन पर ध्यान नहीं दिया गया। इसी कारण एक माह के भीतर ही सड़क टूट गई, जिससे आवागमन में परेशानी हो रही है।ग्रामीणों ने 23 जून 2025 सहित कई बार जिला कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ और अन्य अधिकारियों को लिखित शिकायतें दी हैं। इन शिकायतों में निर्माण एजेंसी पर कार्रवाई, भुगतान रोकने और सड़क का भौतिक सत्यापन कराने की मांग की गई थी। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद अब तक न तो जांच टीम गठित की गई और न ही सड़क की मरम्मत की गई है।

अनमोल वचन......

खुद पर विश्वास रखो, तुम वो कर सकते हो जो तुम सोचते हो।

प्रकाशन के इंतजार में नरावणे की किताब

सत्ता पक्ष के मुताबिक चूंकि किताब अभी प्रकाशित नहीं हुई है, इसलिए उसमें वर्णित मामलों का उल्लेख सदन में नहीं हो सकता। मगर किताब का प्रकाशन किसने रोक रखा है। बेहतर होगा कि प्रकाशन की मंजूरी अविलंब दी जाए। पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरावणे की किताब लगभग 21 महीनों से प्रकाशन के इंतजार में है, क्योंकि उसे केंद्र से हरी झंडी नहीं मिली है। अब उस किताब में वर्णित बातों को लेकर एक अंग्रेजी पत्रिका ने लंबी रिपोर्ट छापी है। उसमें शामिल एक प्रकरण का हवाला विपक्ष के नेता राहुल गांधी लोकसभा में देना चाहते थे। मगर सत्ता पक्ष की आपत्तियों के बीच स्पीकर ने इसकी इजाजत नहीं दी। बहरहाल, कांग्रेस ने उस पूरी रिपोर्ट को अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर डाल कर उसे जनमत के बड़े हिस्से तक पहुंचा दिया है। इसके मुताबिक अगस्त 2020 में रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण कैलाश रेंज की चोटी पर भारतीय फौज के नियंत्रण के बाद चीन ने हमला करने की तैयारी की थी। जब टैंकों समेत चीनी सेना की टुकड़ियां आगे बढ़ रही थीं, तब तत्कालीन सेनाध्यक्ष नरावणे ने बार-बार रक्षा मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, और विदेश मंत्री को फोन कर जवाबी कार्रवाई के लिए निर्देश मांगे। मगर इस पर घंटों तक टाल-मटोल की गई। आखिरकार प्रधानमंत्री से चर्चा के बाद राजनाथ सिंह ने उन्हें निर्देश दिया- जो उचित लगे, वह करें। स्पष्टतः ये प्रकरण वर्तमान सरकार की नेतृत्व क्षमता एवं संकल्प शक्ति को कठघरे में खड़ा करता है। सेना युद्ध संबंधी फौरी (टैक्टिल) फैसले ले सकती है, लेकिन ऑपरेशनल एवं रणनीतिक निर्णय लेने की स्थिति में सिर्फ राजनीतिक नेतृत्व होता है। रिपोर्ट के मुताबिक जनरल नरावणे के सामने कई कठिन प्रश्न थे। कोरोना के कारण देश अस्त-व्यस्त था, जिससे मोर्चों पर सहज सप्लाई को लेकर आशंकाएं थीं। फिर युद्ध फैलता, तो विदेश नीति एवं कूटनीति संबंधी उसके परिणामों का आकलन सरकार ही कर सकती थी। मगर उस कठिन घड़ी में केंद्र ने जिम्मेदारी सेनाध्यक्ष पर टाल दी। सत्ता पक्ष का कहना है कि चूंकि किताब अभी प्रकाशित नहीं हुई है, इसलिए उसमें वर्णित मामलों का उल्लेख सदन में नहीं हो सकता। मगर प्रश्न है कि किताब का प्रकाशन किसने रोक रखा है। सरकार के पास कुछ ढकने को नहीं है, तो बेहतर होगा कि वह तुरंत किताब प्रकाशन की मंजूरी दे, ताकि देश तत्कालीन सेनाध्यक्ष के अनुभव उनके ही शब्दों में जान सके।

राशिफल

मेष राशि- आज का दिन बहुत अच्छा रहने वाला है। किसी शुभ समाचार के मिलने का योग नजर आ रहा है। आज पारिवारिक रिश्तों के बीचसामंजस्य बनाने में आप सफल रहेंगे। आज मनोरंजन में पैसे खर्च हो सकते हैं, इससे आपको आनंद की प्राप्ति होगी। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए भी आज का दिन अच्छा है, पढ़ाई में मन लगेगा। किसी नये कोर्स को ज्वॉइन करने के लिए आज का दिन शुभ है। आर्थिक पक्ष मजबूत बना रहेगा। स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा।

वृष राशि- आज का दिन सामजिक कार्यों में लगा रहेगा। समाजिक सुधार के कारण आपके पड़ोसी आपकी तारीफ कर सकते है और साथ ही आपका पूरा साथ देंगे। घर में लक्ष्मी के रुप में नए मेहमान के आने की खुशी में घर का माहौल खुशनुमा रहेगा। इस राशि के विवाहितों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन राशि- आज का दिन धार्मिक कार्यों में रुचि रहेगी। धर्म के सिलसिले में किसी पंडाल में भी जा सकते है। कला के क्षेत्र में रुझान वालों के लिए आज का दिन रोमांचक रहने वाला है। किसी बड़ी ऑर्गनाइजेशन की तरफ से आपके कला को सबके सामने प्रस्तुत कर सकते है। जिससे आपकी बहुत ज्यादा तारीफ हो सकती है। व्यवसाय के सिलसिले में आज आपको अच्छे ऑफर आ सकते है।

कर्क राशि- आज का दिन बेहतरीन होगा। परिवारिक सामंजस्य बना रहेगा। आज आपका भाग्य आपका पूरा साथ देगा।आज आप अपने बचपन के दोस्त के साथ किसी लंबे टूर पर जा सकते हो। सरकारी ऑफिस में काम करने वालों का आज प्रमोशन हो सकता है। बेरोजगारों को आज नौकरी मिलने का योग बन रहा है। इस राशि वालों के आज रुके हुए सारे काम हो जाएंगे।

सिंह राशि- आज का दिन फायदेमंद रहेगा। आज आपको किसी मल्टीनेशनल कंपनी से ऑफर आने का योग बन रहा है। आपके व्यापार में दो गुना वृद्दि होने के चांस बन रहे है। आज परिवार के साथ बाहर घूमने का प्लान बन सकता है। लवमेट वालों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपके परिवार के बीच आपके रिश्तों की बात हो सकती है। जिससे घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा।

कन्या राशि- आज का दिन किस्मत आपका पूरा साथ देगी। आपके सारे काम आसानी से हो जाएंगे। संगीत में रुझान वालों के लिए आज के दिन किसी बड़े शो में गाने का ऑफर आ सकता है। आज आप अपने स्कूलमेट दोस्तों के साथ कहीं बाहर जाने का प्लान बना सकता है। पूरा दिन काफी इंज्वाय फूल रहेगा।

तुला राशि- आज का दिन लॉ के स्टूडेंट्स के लिए बहुत ही अच्छा रहने वाला है। कॉलेज से मिले प्रोजेक्ट को आज सीनियर्स की मदद से पूरा करने से आपके अच्छे मार्कस प्राप्त हो सकते है। आज पेरेंट्स को अपने बच्चों के खान-पान पर ध्यान देने की जरूरत है। इस राशि के कर्मचारियों के लिए आज दिन अच्छा है।शाम को परिवार के सदस्यों के साथ कुछ मीठा खाने से जीवन में मिठास बढ़ेगी।

वृश्चिक राशि- आज का दिन लवमेट वालों के लिए खुशनुमा रहने वाला है। ऑफिस के किसी काम में आ रही बाधाएं आज खत्म हो जाएंगी। विवाहित आज जीवनसाथी से ऐसा वादा न करें जो वे पूरा न कर सकें। इससे आप दोनों के रिश्ते में खटास आ सकती है। इंजीनियरिंग करने वालें छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

धनु राशि-आज आपकी नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज आप फिजूल के खर्च को कम करने का प्रयास करेंगे तो आपके भविष्य के लिए पैसे इकट्ठे में आसानी होगी। आज आर्थिक पक्ष पहले से अधिक मजबूत रहेगा। ऑफिस में आज एक्सट्रा वर्क करने से रुका हुआ काम जल्दी पूरा हो जाएगा।

मकर राशि- आज का दिन पूरा समय परिवार वालों के साथ बीतेगा। परिवार वालों के साथ रात को बाहर डिनर पर भी जा सकते हैं। आज आपके मन में नए-नए विचार आ सकते हैं , जिससे आपको आपके बिजनेस में काफी फायदा होने वाला है। काम-धंधे में आज आपका मन लगेगा।

कुंभ राशि-आज का दिन आपके लिए अच्छे परिणाम लेकर आएगा। यह परिणाम व्यवसाय से जुड़ा हो सकता है। अगर आप नयी जमीन लेने की सोच रहे हैं तो आज खरीद सकते हैं। इससे आपको भविष्य में फायदा जरूर होगा। उसका अच्छा परिणाम आपको जरूर मिलेगा। आज स्टूडेंट के लिए दिन अच्छा रहने वाला है।

मीन राशि- आज का दिन खुशनुमा बना रहेगा। आज किसी नये व्यवसाय में पैसा लगाने से आपको दोगुना धनलाभ हो सकता है। आज आपके सकारात्मक विचारों से खुश होकर बॉस आपको उपहार स्वरूप उपयोगी वस्तु आज गिफ्ट कर सकते हैं। स्टूडेंट को आज अपनी पढ़ाई में बदलाव करने के लिए टाइम-टेबल मेंचेंजेस करने की जरूरत है। आज आपके बच्चे आपको गर्व महसूस करवा सकते है।

अब भी लाट साहेब ही रहेंगे

//अजीत द्विवेदी//

प्रदेशों की राजधानियों में अंग्रेजों के जमाने में बने और कई कई एकड़ में फैले विशाल भवनों को, जहां राज्यपाल रहते हैं, राजभवन कहा जाए या लोकभवन क्या फर्क पड़ता है। लोकभवन नाम रख देने से न तो उसमें रहने वालों की उपयोगिता बढ़ जाएगी और न उनका एटीट्यूड बदल जाएगा। वे अंग्रेज के जमाने में भी लाट साहेब थे और अब भी लाट साहेब ही रहेंगे। सजावटी और बिना मतलब का पद होने के बावजूद उनको वह प्रोटोकॉल मिलेगा, जो राज्य के चुने हुए मुख्यमंत्री को मिलता है। वे कई एकड़ में फैले भवनों में रहेंगे, सैकड़ों कर्मचारी उनकी सेवा करेंगे, उनको भारी भरकम सुरक्षा मिलेगी और वे बड़ी गाड़ियों में ढेर सारी गाड़ियों के काफिले के साथ सड़क पर निकलेंगे। इतना ही नहीं केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं के अलावा उनके लौह द्वार पर न तो कोई और दस्तक दे सकता है और न उनके दस्तक से आम लोगों के लिए लौह द्वार खुलता है।

पहले अपवाद के तौर पर होता था लेकिन अब यह नियम हो गया है कि लोकभवन में रहने वाला केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी की आंख से चीजों को देखेगा और उसकी कान से ही चीजों को सुनेगा। साथ ही यह भी अब मेनस्ट्रीम हो गया है कि वह संविधान से ज्यादा राजनीति को महत्व देगा। अगर राज्य में भाजपा विरोधी पार्टी की सरकार है तो लोकभवन में रहने वाले माननीय उसका जीना दूभर किए रहेंगे। उस राज्य में होने वाली हर छोटी बड़ी घटना कानून व्यवस्था के लिए खतरा दिखाई पड़ेगी और उसमें दखल देकर उसका मुद्दा बनाया जाएगा। उन राज्यों की विधानसभाओं से पास किए गए विधेयक अनावश्यक तरीके से रोके जाएंगे। पहले जो एक झीना सा परदा होता था अब उसे भी उतार दिया गया है। ऐसा लग रहा है कि राजभवन को लोकभवन बनाने का यह अनिवार्य नतीजा है कि उसमें रहने वाले लोग लोकनेता की तरह व्यवहार करेंगे और केंद्र में सत्तारूढ़ दल की आलोचना नहीं बरदाश्त करेंगे। इसलिए वे राज्य सरकारों की ओर से तैयार किए गए अभिभाषण नहीं पढ़ेंगे। इससे पहले कभी भी राज्यपालों की ऐसी राजनीति देखने को नहीं मिली थी।

एक के बाद एक तीन राज्यों में यह राजनीति देखने को मिली है। तमिलनाडु का नाम बदलने तक का प्रयास कर चुके राज्यपाल आरएन रवि वहां की विधानसभा की कार्यवाही का नियम बदलना चाहते हैं। तमिलनाडु विधानसभा के सत्र की कार्यवाही तमिल के प्रदेश गान से शुरू होती है और समापन राष्ट्रगान से होता है। पिछले चार साल से साल के पहले सत्र में राज्यपाल अभिभाषण नहीं पढ़ रहे हैं क्योंकि वे चाहते हैं कि कार्यवाही की शुरुआत राष्ट्रगान से हो। इस साल भी इसी नाम पर वे अभिभाषण पढ़े बगैर वापस चले गए। लेकिन अभिभाषण नहीं पढ़ने का एक कारण यह भी है कि तमिलनाडु सरकार के तैयार किए गए अभिभाषण में केंद्र सरकार के खिलाफ बहुत सारी बातें थीं। सो, केंद्र सरकार के खिलाफ कोई बात है तो वह कैसे राज्यपाल पढ़ सकते हैं!

केरल में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने यही काम किया है। उन्होंने अभिभाषण पढ़ा लेकिन पैराग्राफ नंबर 12 का शुरुआती हिस्सा छोड़ दिया, जिसमें केंद्र सरकार के ऊपर संघवाद के सिद्धांत का उल्लंघन करने और राज्य को आर्थिक व अन्य रूप से परेशान करने की बात थी। उन्होंने पैराग्राफ 15 का अंतिम हिस्सा भी नहीं पढ़ा क्योंकि उसमें राज्य विधानसभा से पास विधेयक बेवजह रोके जाने का जिक्र था।

ध्यान रहे पिछले और मौजूदा राज्यपाल दोनों ने कई विधेयक महीनों तक रोके रखा। तीसरे राज्यपाल थावरचंद गहलोत हैं। उन्होंने कर्नाटक विधानमंडल के इस साल के पहले सत्र की साझा कार्यवाही में अभिभाषण पढ़ने से इनकार कर दिया। राज्य के कानून व संसदीय कार्यमंत्री का कहना है कि 11 पैराग्राफ्स को लेकर राज्यपाल को आपत्ति थी। उन्होंने इन्हें हटाने के लिए कह दिया। सोचें, इससे पहले कब अभिभाषण को लेकर इस तरह की आपत्ति राज्यपाल जताते थे? यह न्यू इंडिया की पिछले 12 साल की परिघटना है कि राज्यपाल राज्य सरकार की ओर से तैयार अभिभाषण में नुक्स निकालेंगे, उसे पढ़ने से मना कर कर देंगे या मनमाने तरीके से कुछ हिस्सा पढ़ेंगे और कुछ छोड़ देंगे। अब तक यह परंपरा रही है कि राज्यपाल राज्य सरकार की ओर से तैयार किए गए अभिभाषण को शब्दशः पढ़ेंगे। लेकिन इन दिनों राज्यपालों को भाजपा विरोधी पार्टियों की सरकारों की ओर से तैयार किए गए अभिभाषण पढ़ने में बहुत कष्ट हो रहा है क्योंकि उसमें खुद राज्यपालों की भूमिका की आलोचना होती है और केंद्र सरकार के कामकाज पर सवाल उठाए जाते हैं। तमिलनाडु के राज्यपाल कार्यालय ने उनके अभिभाषण नहीं पढ़ने का एक कारण यह भी बताया है कि उसमें 'आधे अधूरे दावे और गुमराह करने वाली बातें' थीं। ध्यान रहे अभिभाषण चाहे राष्ट्रपति का हो या राज्यपालों का उसमें सरकारें अपनी उपलब्धियां ही बताती हैं वो सही हैं या गलत यह जांच करना राष्ट्रपति या राज्यपाल का काम नहीं होता है। पहले कोई भी इनकी जांच नहीं करता था। लंबे समय तक देश में कांग्रेस की सरकार रही लेकिन यह अपवाद के लिए ही कहीं देखने को मिला होगा कि राज्यों में कांग्रेस विरोधी सरकारों की ओर से तैयार अभिभाषण पढ़ने से किसी राज्यपाल ने इनकार किया हो या उसमें सुधार किया हो।लेकिन अब यह इतनी सामान्य परिघटना हो गई है कि भाजपा विरोधी शासन वाले राज्यों का हर राज्यपाल अभिभाषण में सुधार करवा रहा है या पढ़ने से इनकार कर रहा है या अधूरा पढ़ रहा है। विधानसभा से पास विधेयकों को लंबे समय तक रोके रखना भी एक सामान्य परिघटना हो गई है और कानून व्यवस्था के नाम पर सरकार के कामकाज में अड़ंगेबाजी या उसकी आलोचना भी एकदम सामान्य बात हो गई है। इससे एक गलत परंपरा की शुरुआत हो रही है। आगे जब केंद्र की सरकार बदली तब भी यह परंपरा जारी रहेगी और उससे राज्यों में स्थायी टकराव करी संभावना बनी रहेगी। इसलिए इसे रोका जावा चाहिए। ध्यान रहे देश में लंबे समय से इस बात की चर्चा होती रही है कि राज्यपाल का पद जरूरी है या नहीं। इसे चेक एंड बैलेंस के लिए बनाया गया था लेकिन राज्यपाल चेक एंड बैलेंस का काम सिर्फ उन्हीं प्रदेशों में करते हैं, जहां केंद्र सरकार की विरोधी पार्टी की सरकार होती है।

अजादी के बाद 78 साल का अनुभव यह बताता है कि राज्यपाल का पद होने से राज्य के कामकाज पर कोई गुणात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है। यह सिर्फ टकराव बढ़ाने के काम आता है। वैसे भी भारत में शासन की जो प्रणाली अपनाई गई है उसमें चुने हुए मुख्यमंत्री के ऊपर दबाव बनाने .या उसे काम करने से रोकने की कोई व्यवस्था नहीं होनी चाहिए। इसलिए इस बात पर सहमति रही है कि राज्यपालों को अधिकार नहीं मिलना चाहिए और उन्हें राजकाज में दखल से रोकना चाहिए। फिर भी अगर अभी राज्यपाल का पद नहीं समाप्त किया जाता है तो कम से कम अभिभाषण की प्रथा खत्म कर देनी चाहिए। यह एक तमाशा है, जिसकी कोई आवश्यकता नहीं। देश के एक विद्वान राष्ट्रपति आर वेंकटरमन ने इसके लिए बहुत प्रयास किया था। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्रियों राजीव गांधी और चंद्रशेखर दोनों को कई बार कहा कि संविधान के अनुच्छेद 87 और 176 में संशोधन करके राष्ट्रपति और राज्यपालों के अभिभाषण की व्यवस्था को समाप्त कर दिया जाए। आर वेंकटरमन के प्रयासों के 35 साल बाद अब यह अनिवार्य हो गया है कि ये दोनों अनुच्छेद बदले जाएं और अभिभाषण की व्यवस्था समाप्त हो।

जापान में सना ए. ताका इची को प्रचंड जनादेश और विपक्ष का सूपड़ा साफ कर जनता ने क्या संदेश दिया?

//नीरज कुमार दुबे //

इस चुनाव को राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने इसलिए भी महत्वपूर्ण बताया क्योंकि प्रधानमंत्री ताका इची ने महज कुछ ही महीनों पहले सत्ता संभाली थी और यह उनका पहला आम चुनाव था। उन्होंने तीन महीने पहले ही निचले सदन को भंग कर दिया था ताकि जनता से स्पष्ट जनादेश लिया जा सके। जापान में निचले सदन के चुनाव परिणाम ने देश की राजनीति में एक नया अध्याय शुरू कर दिया है। इस चुनाव में प्रधानमंत्री सना ए. ताका इची के नेतृत्व वाली लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी ने अभूतपूर्व जीत हासिल की है। पहले चरण के मतगणना के परिणामों के अनुसार ताका इची की पार्टी अकेले ही निचले सदन में 316 सीटें जीतने में सफल रही तथा उसने गठबंधन सहयोगी के साथ मिलकर कुल 352 से अधिक सीटों का दो-तिहाई बहुमत हासिल कर लिया। इस प्रकार वह अकेले ही अपनी पार्टी के बहुमत से कहीं आगे निकल गई और विपक्ष को भारी पराजय का सामना करना पड़ा।

इस चुनाव को राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने इसलिए भी महत्वपूर्ण बताया क्योंकि प्रधानमंत्री ताका इची ने महज कुछ ही महीनों पहले सत्ता संभाली थी और यह उनका पहला आम चुनाव था। उन्होंने तीन महीने पहले ही निचले सदन को भंग कर दिया था ताकि जनता से स्पष्ट जनादेश लिया जा सके। चुनाव के दिन भी देश के कई हिस्सों में जोरदार बर्फबारी और ठंडे मौसम के कारण मतदान केन्द्रों पर कठिन परिस्थितियाँ पैदा हुईं, लेकिन इसके बावजूद मतदाताओं की भागीदारी अपेक्षाकृत मजबूत रही। यह दर्शाता है कि जापानी जनता ने ठंडे मौसम और मुश्किल हालात के बावजूद महत्वपूर्ण राजनीतिक फैसले में भाग लेने की प्रतिबद्धता दिखाई। इस चुनाव में विपक्षी दलों को जिस प्रकार की पराजय मिली, वह जापानी राजनीति के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा घटनाक्रम था। मुख्य विपक्षी गठबंधन और छोटे दलों ने जिस तरह अपनी सीटें गंवाईं, उससे स्पष्ट होता है कि इस समय जनता ने ताका इची के नेतृत्व को अधिक भरोसेमंद और स्थिर विकल्प के रूप में चुना। अधिकांश विश्लेषकों का मानना है कि मतदान के पीछे मुख्य कारण आर्थिक और सामाजिक मुद्दों के साथ सुरक्षा नीतियों पर मतदाताओं की चिंताएँ थीं, जिनके प्रति उन्होंने ताका इची की स्पष्ट सोच को प्राथमिकता दी।

ताका इची की जीत का विश्लेषण करते हुए कहा जा सकता है कि यह सिर्फ संख्या की जीत नहीं है, बल्कि यह एक राजनैतिक विश्वास का जनादेश भी है। जापान पिछले कुछ वर्षों से बढ़ते आर्थिक दबाव, बुजुर्ग आबादी से जुड़ी सामाजिक चुनौतियों और बढ़ते क्षेत्रीय तनावों के बीच अपना रास्ता ढूंढ़ रहा है। चीन के साथ संबंधों में तनाव, ताइवान को लेकर बदलती भू-राजनीति तथा अमेरिका के साथ सुरक्षा साझेदारी जैसी विषयों को लेकर जनता के भीतर मजबूत भावनाएँ हैं। ताका इची ने चुनाव के दौरान स्पष्ट रूप से यह संदेश दिया था कि जापान को न केवल आर्थिक सुधारों की आवश्यकता है बल्कि उसे अपनी रक्षा और वैश्विक भूमिका को भी मजबूती से परिभाषित करना होगा।

हम आपको बता दें कि सना ताका इची स्वयं एक लंबा राजनीतिक अनुभव लिये हुए हैं। उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा 1990 के दशक में संसद सदस्य के रूप में शुरू की थी और समय-समय पर कई महत्वपूर्ण विभागों तथा मंत्रालयों में काम किया। अपने अनुभव, दृढ़ नीतियों और स्पष्ट विचारधारा के कारण उन्हें पार्टी में एक मजबूत छवि मिली। वह इस चुनाव से पहले जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं और इस जीत ने उन्हें अपनी पार्टी तथा जनता दोनों से मजबूत समर्थन दिलाया है। ताका इची ने अपने राजनीतिक कॅरियर में व्यापक विषयों पर सार्वजनिक रूप से अपने दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया है, जिनमें आर्थिक नीतियाँ, सामाजिक सुधार, राष्ट्रीय सुरक्षा तथा जापान की अंतरराष्ट्रीय भूमिका शामिल हैं।

उनके नेतृत्व में पार्टी की जीत का एक प्रमुख कारण यह भी बताया जा रहा है कि उन्होंने आर्थिक स्थिरता, रोजगार सृजन और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों को चुनाव में प्रमुख मुद्दों के रूप में उठाया। जापान की अर्थव्यवस्था बड़े कर्ज़, कम उत्पादन वृद्धि और बढ़ते जीवनयापन लागत जैसी समस्याओं का सामना कर रही थी, जिनके समाधान के लिये जनता अधिक ठोस नीतियों की उम्मीद कर रही थी। ताका इची ने यह विश्वास दिलाया कि उनकी सरकार इन समस्याओं के समाधान के लिये गंभीर प्रयास करेगी और एक दीर्घकालिक आर्थिक सुधार योजना लागू करेगी।

सुरक्षा मामलों में उनकी विचारधारा और भी अधिक स्पष्ट रही है। उन्होंने बार-बार यह कहा कि जापान को अपनी रक्षा नीतियों को अधिक आत्मविश्वास तथा स्वतंत्रता के साथ परिभाषित करना चाहिए। अमेरिका के साथ रक्षा साझेदारियों को और मजबूती प्रदान करना, क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग को बढ़ाना तथा चीन और उत्तर कोरिया जैसे पड़ोसी देशों से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करना उनकी प्राथमिकता रही है। इस दृष्टिकोण ने उन मतदाताओं को प्रभावित किया जो जापान की क्षेत्रीय स्थिति को एक जटिल तथा बढ़ती चुनौतियों वाला क्षेत्र मानते हैं। वैश्विक स्तर पर भी इस चुनाव के परिणाम का प्रभाव देखा जा रहा है। इंडो-पैसेफिक क्षेत्र में जापान की भूमिका महत्वपूर्ण है और ताका इची की जीत ने यह संकेत दिया है कि जापान वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था तथा आर्थिक साझेदारियों में और अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के लिये तैयार है। यह क्षेत्रीय स्थिरता, मुक्त व्यापार और सहयोग के लिये एक सकारात्मक संकेत है। जापान की बढ़ती भूमिका ने अमेरिका तथा अन्य मित्र देशों के साथ मिलकर कई साझेदारी योजनाओं को गति दी है और यह उम्मीद जताई जा रही है कि ताका इची सरकार इस दिशा को और मजबूती से आगे बढ़ाएगी।साथ ही भारत-जापान के बीच लंबे समय से मजबूत द्विपक्षीय संबंध रहे हैं। इसी कड़ी में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ताका इची को उनकी शानदार जीत पर व्यक्तिगत रूप से बधाई दी है। मोदी ने यह स्पष्ट किया कि भारत और जापान दोनों ही लोकतंत्रों के साझा मूल्यों, क्षेत्रीय स्थिरता तथा आर्थिक सहयोग के लिये दृढ़ संकल्पित हैं। मोदी की बधाई इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भारत जापान के साथ साझेदारी को और गहरा करना चाहता है, विशेष रूप से रक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार तथा क्षेत्रीय सामरिक सहयोग जैसे क्षेत्रों में।यह बधाई न केवल व्यक्तिगत सम्मान का प्रतीक है, बल्कि इसका व्यापक महत्व यह है कि भारत दोनों देशों के बीच एक साझा रणनीतिक दृष्टिकोण को और अधिक मजबूत करना चाहता है। भारतीय-जापानी सहयोग का दायरा हाल के वर्षों में लगातार बढ़ा है और इस चुनाव के परिणाम ने इसे और प्रोत्साहन दिया है। बहरहाल, 2026 का यह जापान चुनाव परिणाम दिखाता है कि जनता ने ठोस नेतृत्व, स्पष्ट नीतियों तथा देश की रणनीतिक दिशा को समर्थन दिया है। सना इची की जीत सिर्फ एक संसदीय बहुमत नहीं है, बल्कि यह जापान के भविष्य की दिशा को लेकर एक व्यापक विश्वास का प्रतीक भी है। यह जीत जापान को आर्थिक, सामाजिक और सामरिक रूप से एक निर्णायक भूमिका निभाने के लिये तैयार कर देती है और अब वैश्विक राजनीति में उसकी भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण बनने वाली है।

शंकराचार्य मुद्दे पर सरकार का समर्थन

जिस समय मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू हुई या जिस समय अयोध्या का आंदोलन चला और साधु, संतों पर गोलियां चलीं उस समय सोशल मीडिया नहीं था, निजी टेलीविजन चैनल नहीं थे और अखबारों की पहुंच भी सीमित थी। इसलिए जिनको लड़ना पड़ा, सड़क पर उतर कर लड़ना पड़ा। आज मीडिया और सोशल मीडिया के जमाने में वही लड़ाई नैरेटिव के स्तर पो रही है। अगर इस फैक्टर को विश्लेषण में शामिल करें तो कह सकते हैं कि यूजीसी के नए नियमों और प्रयागराज के कुंभ मेले में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के साथ हुए बरताव पर वैसी ही या उससे ज्यादा प्रतिक्रिया हुई है, जैसी नब्बे के दशक में मंडल और कमंडल को लेकर हुई थी। उस समय प्रतिक्रिया सड़क पर दिख रही थी, जबकि अभी हर घर के ड्राइंगरूम में दिखी है। हर स्मार्टफोन और टेलीविजन सेट इस लड़ाई का अखाड़ा बना। इन दोनों मुद्दों को लेकर वास्तविक यानी सड़क पर उतर कर भी लड़ाई हुई लेकिन ज्यादा बड़ी लडाई आभासी यानी वर्चुअल थी। उसको देखें तो कई बातें दिखती हैं। कई लोगों का मानना है कि यह सिर्फ संयोग है कि शंकराचार्य की घटना और यूजीसी के नियम एक ही समय में आए। वे इसको भी संयोग मान रहे हैं कि माघ मेले में शंकराचार्य पालकी लेकर गए, जिस पर टकराव हो गया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी आदत के मुताबिक अड़ गए, जिससे विवाद आगे बढ़ गया। ऐसे ही यूजीसी के नियम भी संयोग हैं। जान बूझकर जारी नहीं किए गए। यूजीसी के नियम पर सुप्रीम कोर्ट की रोक और शंकराचार्य को मना कर पूर्णिमा के दिन स्नान के लिए माघ मेले में लाने की खबर से इन घटनाओं को संयोग मानने वाले संतुष्ट हुए हैं।

तस्वीरों की दुनिया

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, नई दिल्ली के भारत मंडपम में 'भारत बोधन एआई कॉन्क्लेव-2026' में दीप प्रज्जवलित करते हुए।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में 'भारत बोधन एआई कॉन्क्लेव-2026' के दौरान आईआईएम लखनऊ के पीजी और यूजी एआई प्रोग्राम को लॉन्च किया।

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने नई दिल्ली में भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के लिए ऑपरेशनल रोल इक्विपमेंट के साथ आठ डोर्नियर 228 एयरक्राफ्ट खरीदने के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट डिवीजन, कानपुर के साथ एक कॉन्ट्रैक्ट पर साइन किए।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में रवींद्र भवन में म.प्र. सड़क विकास निगम और म.प्र. भवन विकास निगम द्वारा अन्य संस्थाओं के साथ किए गए एमओयू का आदान-प्रदान किया गया।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रवींद्र भवन में लोक निर्माण विभाग की क्षमता संवर्धन कार्यशाला में पीएमएस 2.0 पोर्टल लॉन्च किया।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, सस्पेंडेड सांसद हिबी एडेन, डीन कुरियाकोस, प्रशांत पडोले, मनिकम टैगोर और दूसरे विपक्षी सांसदों ने नई दिल्ली में पार्लियामेंट के बजट सेशन के दौरान भारत-अमेरिका इंटरिम ट्रेड डील के खिलाफ प्रोटेस्ट किया और सरकार पर इंडियन इंटरेस्ट को सरेंडर करने का आरोप लगाया।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य विधानसभा के बजट सत्र में भाग लेने के लिए पटना पहुंचे।

बांग्लादेश चुनाव: तारिक रहमान की BNP 175 सीटों पर आगे, जमात को 30 पर बढ़त

ढाका, 13 फरवरी [एजेंसी]।

बांग्लादेश के संसदीय चुनाव में 55 फीसदी से ज्यादा वोटिंग हुई। शुरुआती ट्रेंड्स के मुकाबिक, तारिक रहमान की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी बड़ी जीत की ओर बढ़ रही है। हालांकि कई सीटों के नतीजे पहले ही साफ हो चुके हैं, लेकिन ऑफिशियल अनाउंसमेट बाकी है। बीएनपी के अध्यक्ष और प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार तारिक रहमान ने दो महत्वपूर्ण सीटों ढाका-17 और बोगरा-6 से अनौपचारिक रूप से जीत दर्ज कर ली है। 17 साल बाद बांग्लादेश वापस लौटे रहमान की जीत बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है।ताजा जानकारी के मुताबिक, BNP 175 से ज्यादा सीटों पर आगे चल रही है और जमात 30 सीटों पर आगे है। बांग्लादेश की पार्लियामेंट में 300 सीटें हैं, और बहुमत के लिए 151 सीटों की जरूरत है। पोलिंग के दौरान गोपालगंज, मुंशीगंज और कुमिला जैसी जगहों से हिंसा की छिटपुट घटनाएं हुईं। कुमिला के चौड्डाग्राम उपजिला में अटाकारा गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल पोलिंग सेंटर पर एक के बाद एक कई क्रुड बम फटे। भैरब, किशोरगंज में, आरोप है कि पुलिसवालों के पीछा करने पर रज्जाक मिया नाम के एक आदमी की मौत हो गई।

खुलना में, बीएनपी लीडर मोहिबुज्जमां काची की मौत तब हुई जब विरोधी जमात सपोर्टर्स ने उन्हें धक्का दिया, जिससे वह गिर गए और उनके सिर में चोट लग गई। बीएनपी की नेशनल पार्लियामेंट्री इलेक्शन मैनेजमेंट कमेटी के स्पोक्सपर्सन और बीएनपी चेयरपर्सन के एडवाइजर तारिक रहमान ने कहा, हमें पक्का यकीन है कि धान के गठ्ठर के पक्ष में लहर आएगी, और बीएनपी जीतेगी। डेमोक्रेसी की जीत पक्की होगी। अंतरिम सरकार के चीफ एडवाइजर मुहम्मद यूनुस के प्रेस सेक्रेटरी शफीकुल आलम ने बताया कि एक बार विनर अनाउंस हो जाने के बाद, अंतरिम सरकार नेशनल इलेक्शन के तीन से चार दिनों के अंदर नई चुनी हुई सरकार को पावर ट्रांसफर कर देगी।

एक बार जब नए चुने गए पार्लियामेंट मेंबर शपथ ले लेंगे, तो मेजोरिटी पार्टी के लीडर को बांग्लादेश के नए प्राइम मिनिस्टर के तौर पर शपथ लेने के लिए इनवाइट किया जाएगा, जिससे बांग्लादेश एक डेमोक्रेटिक तरीके से चुनी हुई सरकार बन जाएगा जिसके पास पॉलिटिकल मैंडेट होगा। अंतरिम सरकार का कहना है कि यह प्रोसेस 15 या 16 फरवरी तक पूरा हो सकता है, और यह 17 या 18 फरवरी से आगे नहीं खिंचेगा।

पाक ने भारत को लिखा पत्र- चेनाब पर सावलकोट जलविद्युत परियोजना के बारे में मांगी जानकारी

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने कहा कि उसने भारत को पत्र लिखकर जम्मू-कश्मीर में चेनाब नदी पर स्थित सावलकोट जलविद्युत परियोजना के बारे में जानकारी मांगी है। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर आंद्राबी ने साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि सावलकोट परियोजना का मुद्दा सिंधु जल आयुक्तों के स्तर पर उठाया गया था और पाकिस्तान के सिंधु जल आयुक्त ने पिछले साल जुलाई में एक पत्र लिखा था। उन्होंने कहा- मैं पुष्टि करता हूं कि 11 फरवरी को भारतीय सिंधु जल आयुक्त को एक और पत्र लिखा गया है। पिछले साल 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के एक दिन बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई दंडात्मक कदम उठाए थे। सिंधु जल संधि स्थगित कर दी थी।आंद्राबी ने कहा- कोई भी एकतरफा कार्रवाई या अवहेलना इस कानूनी वास्तविकता को नहीं बदल सकती। पाकिस्तान भारत से अपील करता है कि वह संधि का पूर्ण पालन करे। उन्होंने कहा कि हम विवादों के शांतिपूर्ण समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस दौरान उन्होंने क्रिकेट के राजनीतिकरण पर भी खेद व्यक्त किया।

लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर मध्य प्रदेश के कारोबारी से मांगी 10 करोड़ की रंगदारी

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के अशोकनगर में दो व्यापारियों को लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर धमकी मिली है। बुधवार को हुई इस घटना के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कारोबारी अंकित अग्रवाल ने सिटी कोतवाली को दिए आवेदन में बताया कि वाट्सएप पर उन्हें वाइस नोट मिला, जिसमें हैरी बाक्सर नाम के किसी व्यक्ति ने खुद को लारेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताते हुए 10 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी है। उसने रुपये नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी है।पड़ताल में पता चला कि शहर के एक अन्य कारोबारी को भी इसी तरह से धमकी मिली है। हालांकि, पुलिस दूसरे मामले से अनजान है।

सरकारी खजाने में सेंधमारी: चपरासी ने 98 बार में उड़ाए करोड़ों रुपये पत्नी के खाते में भेजे, बैंक की एक सतर्कता ने खोल दी पोल

पीलीभीत, 13 फरवरी [एजेंसी]।

बीसलपुर के स्कूल का चपरासी इल्हाम शम्सी आठ वर्ष पहले जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में संबद्ध होने के बाद कागजों की बाजीगरी करने लगा। क्लर्क वाली कुर्सी पर बैठने के बाद उसने सरकारी खजाने में सेंधमारी कर पत्नी अर्शी के खाते में 1.01 करोड़ रुपये भेज दिए।तीन दिसंबर को बैंक आफ बड़ौदा प्रबंधन को बचत खाते में धड़ाधड़ आ रही धनराशि पर शक हुआ, तब डीएम को 17 दिसंबर 2025 को जानकारी दी गई। डीएम ने मामले का संज्ञान लेकर मामले की जांच कराई। इधर, बैंक ने 65.53 लाख रुपये की धनराशि को फ्रीज कर दिया, जबकि आरोपित ने 36,41,885 रुपये आरोपित ने निकाल लिए।मामले की जांच डीएम ने सीडीओ की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय टीम को सौंप दी। सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास ने पांच फरवरी को जिला विद्यालय निरीक्षक को नोटिस जारी करके जांच के लिए अभिलेख मांगे। जांच कमेटी के पत्र जारी होने के बाद मामला तूल पकड़ गया।

जांच कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर आरोपित पर अग्रिम कार्रवाई होगी। माध्यमिक शिक्षा विभाग से शासकीय सहायता प्राप्त एक कालेज में इल्हाम शम्सी की नियुक्ति चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के तौर पर हुई थी। शासनादेश के अनुसार, उसे मूल पद पर ही काम करना चाहिए था मगर, ऐसा नहीं हुआ। वह जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में लिपिकीय कार्य करने लगा था। बैंक आफ बड़ौदा के रिकार्ड के अनुसार, उसने वर्ष छह जून 2024 में अपनी पत्नी अर्शी खातून का बचत खाता खुलवाया था। इसके बाद अधिकारियों से अपनी पत्नी के बैंक खाते में धनराशि भेजने की स्वीकृति करा 12 जून 2024 को करा ली। आरोपित ने पहली बार 12 सितंबर को उस खाते में एक लाख रुपये ट्रेजरी से ट्रांसफर कराए थे, उसी दिन दूसरी बार भी एक लाख रुपये ट्रांसफर हुए।इसके बाद प्रत्येक महीने दो से छह बार तक ट्रेजरी से रकम आती रही। 17 दिसंबर 2025 तक उसके खाते में 98 ट्रेजरी से रकम आई, जोकि 1.01 करोड़ रुपये थी। आरोपित ने 17 दिसंबर 2025 तक 36.41 लाख रुपये यूपीआइ के माध्यम से निकाल लिए।

देश भर से 400 किलो सोना लूटने वाली गैंग का मास्टरमाइंड सुबोध सिंह गिरफ्तार, 6 राज्यों में 42 से ज्यादा केस दर्ज

उदयपुर, 13 फरवरी [एजेंसी]।

देशभर में गोल्ड लूट की बड़ी वारदातों को अंजाम देने वाली कुख्यात गैंग का मास्टरमाइंड बिहार निवासी सुबोध सिंह उर्फ बबुआ आखिरकार राजस्थान पुलिस के हत्थे चढ़ गया। राजसमंद पुलिस ने चर्चित गोल्ड लूट केस में उसे ओडिशा से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। पुलिस रिकार्ड के अनुसार, सुबोध की गैंग पिछले एक दशक में 6 राज्यों में करीब 400 किलो से अधिक सोना लूट चुकी है। 42 वर्षीय सुबोध सिंह के खिलाफ लूट, हत्या और डकैती के 42 से अधिक केस दर्ज हैं। वह सिर्फ 12वीं पास है, लेकिन अपराध की दुनिया में बड़ा नेटवर्क खड़ा कर चुका है।सुबोध ने शुरुआती दौर में छोटे अपराध किए, फिर 1999 में बिहार पुलिस का मुखबिर बन गया। इसी दौरान उसने पुलिस की कार्यशैली को करीब से समझा और बाद में उसी ज्ञान का इस्तेमाल अपराध में किया। 2008 में कोलकाता और रायपुर में बैंक डकैती के बाद वह जेल गया। 2015 में बाहर आने के बाद उसने मुथूट, मणप्पुरम और बड़े ज्वेलर्स को टारगेट बनाकर संगठित गैंग तैयार की।

2018 में बिहार एसटीएफ ने उसे 16.5 किलो सोने और हथियारों के साथ गिरफ्तार किया था। बेउर जेल में बंद रहते हुए भी वह नए अपराधियों को जोड़कर वारदातें करवाता रहा। गैंग लूट के सोने को नेपाल और पश्चिम बंगाल ले जाकर बेच देती थी। 23 अगस्त 2023 को कांकरोली के रूपम ज्वेलर्स में हुई लूट में करीब 3 किलो सोना और 18 लाख नकद ले जाए गए थे। इससे पहले उदयपुर के सुंदरवास स्थित मणप्पुरम गोल्ड लोन शाखा में भी इसी गैंग की भूमिका सामने आई थी। सीआई सरोज बैरवा के अनुसार, सुबोध सिंह के खिलाफ दर्ज मामलों में लूटे गए सोने की मात्रा 400 किलो से अधिक आंकी गई है। गिरफ्तारी से देशभर की गोल्ड लूट वारदातों के कई राज खुलने की उम्मीद है।

सिवान में बेखौफ बदमाशों ने पत्रकार पर की फायरिंग, पेट में लगी गोली

सिवान, 13 फरवरी [एजेंसी]।

जिले के पचरूखी प्रखंड के पत्रकार रमेश सिंह को बेखौफ बदमाशों ने गुरुवार की देर रात गोली मारकर घायल कर दिया। घटना के बाद बदमाश फरार हो गए। बदमाश बाइक पर सवार थे।घटना को बदमाशों ने उस समय अंजाम दिया जब वह एक शादी समारोह से घर लौट रहे थे, तभी दो बाइक सवार अपराधियों ने पहले से घात लगाकर फायरिंग की। एक गोली उनके पेट में लगी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े और खून से लथपथ हो गए।स्थानीय लोगों की मदद से घायल पत्रकार को सीवान सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही एसपी पूरन कुमार झा सदर अस्पताल पहुंचे और घायल से मिलकर जानकारी ली।एसपी ने बताया कि घटनास्थल से एक गोली का खोखा बरामद हुआ है। प्रारंभिक जांच में यह आपसी रंजिश का मामला प्रतीत हो रहा है। पुलिस पूरे मामले की गहन तफ्तीश कर रही है और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।बता दें कि 10 वर्ष पूर्व भी एक पत्रकार राजदेव रंजन की भी बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में दिवंगत पूर्व सांसद मो शहाबुद्दीन का भी नाम आया था।

सेवानिवृत्त शिक्षक से डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 53 लाख की साइबर ठगी

कोलकाता 13 फरवरी। कोलकाता के पिकनिक गार्डेन इलाके में एक सेवानिवृत्त शिक्षक को 25 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट रखकर उनसे 53 लाख रुपये की साइबर ठगी की घटना सामने आई है।ठगे जाने का अहसास होने पर बिपुल बाबू नामक शिक्षक ने कसबा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उन्हें अनजान नंबर से फोन करके कहा गया कि वे एक आपराधिक साजिश में शामिल हैं, उनके विरुद्ध मामला दर्ज हुआ है। इसके बाद उन्हें दो से 27 दिसंबर तक डिजिटल अरेस्ट में रखे जाने की बात कहकर उनसे मामले से छुटकारा दिलाने की एवज में 53 लाख रुपये मांगे गए। उन्होंने डर के मारे फोन करने वाले की ओर से बताए गए बैंक खाते में रुपये जमा करवा दिए। बाद में उन्हें ठगे जाने का अहसास हुआ।

लालू-राबड़ी और तेजस्वी को दिल्ली कोर्ट से फौरी राहत

लारा परियोजना मनी लॉन्ड्रिंग केस में सुरक्षित रखा फैसला

नई दिल्ली। लारा परियोजना मनी लॉन्ड्रिंग केस में लालू-राबड़ी और तेजस्वी को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से फौरी राहत मिली है। कोर्ट ने बृहस्पतिवार को लारा परियोजना मनी लॉन्ड्रिंग केस में आरोप तय करने पर अपना ऑर्डर सुरक्षित रख लिया है। यह केस लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी प्रसाद यादव और दूसरे 16 आरोपियों के खिलाफ है। अब इस मामले में अदालत 3 मार्च को फैसला दे सकती है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले, आआरसीटीसी घोटाले के मामले में बुधवार (11 फरवरी) को आरोप तय करने के ट्रायल कोर्ट के निर्णय के खिलाफ पूर्व रेल मंत्री नेता लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और बेटे तेजस्वी यादव की याचिका का सीबीआई ने दिल्ली हाई कोर्ट में विरोध किया। सीबीआई ने तर्क दिया था कि लालू सहित अन्य यह तर्क देकर मुकदमें से बच नहीं सकते कि जब ट्रायल कोर्ट ने मामले का संज्ञान लिया था तब उनके खिलाफ अभियोजन की मंजूरी नहीं थी।

हक की खातिर पत्थर बनी पत्नी: जब तक देवर ने नहीं लौटाई जमीन, दो दिन तक घर में रखा पति का शव

बनियाठेर (संभल)। तीन बीघा जमीन पर अपना हक पाने के लिए महिला को अपने पति का शव दो दिन तक घर में रखना पड़ा। इस भूमि को उसके ही देवर ने बिना संज्ञान में डाले अपने नाम करवा लिया था। रिश्तेदार के छल और ग्रामीणों से भी महिला को न्याय नहीं मिला तो उसने बीमारी से दम तोड़ने के बाद पति के शव का अंतिम संस्कार ही नहीं किया।मामले की जानकारी पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर महिला को समझाया और महिला के नाम में ही उक्त भूमि के बैनामा की प्रक्रिया कराई। इसके बाद महिला ने पति के शव का अंतिम संस्कार किया। मामला थाना क्षेत्र के कासमपुर जगरूप गांव का है। गांव निवासी उल्फत की शादी 20 वर्ष पहले अंगूरी देवी के साथ हुई थी। शादी के बाद उनकी कोई संतान नहीं हुई। उल्फत का एक भाई महेश भी है। 10 फरवरी यानी

मंगलवार की रात्रि उल्फत के पेट में तेज दर्द की शिकायत हुई तो पत्नी उसे लेकर डाक्टर को दिखाने गई। दवा लेकर घर वापस लौट आई। फिर देर रात 12 बजे करीब उल्फत ने दम तोड़ दिया। चीख पुकार की आवाज सुनकर स्वजन व आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। अगले दिन मृतक की पत्नी अंगूरी देवी को यह जानकारी हुई कि उसके बिना संज्ञान में डाले देवर महेश ने उसकी 10 बीघा जमीन चोरी-छिपे अपने नाम करा ली है। इस पर उसने देवर से जमीन वापस करने को कहा तो उसने इन्कार कर दिया। ग्रामीणों ने समझाया लेकिन अंगूरी देवी ने अंतिम संस्कार तब तक करने से इन्कार कर दिया, जब तक उसे जमीन वापस नहीं मिल जाती। मामले में गुरुवार को पत्नी ने पुलिस से मौखिक शिकायत करते हुए इस प्रकरण के बारे में अवगत कराया। फिर पुलिस हरकत में आई और गांव पहुंच गई। पुलिस की दखल के बाद देवर महेश तीन बीघा जमीन देने को राजी हो गया। इसके बाद वह अपनी भाभी अंगूरी देवी को लेकर तहसील पहुंचा और वहां पर जमीन का बैनामा की प्रक्रिया कर नाम करवा दी।थाना प्रभारी मनोज वर्मा ने बताया कि महिला ने जमीन वापस दिलवाने की मांग को लेकर पति के शव का अंतिम संस्कार नहीं होने दिया था। बाद में उसे तीन बीघा जमीन दिलवाई गई। तब जाकर उसने अंतिम संस्कार किया है।

114 राफेल और छह P-8I एयरक्राफ्ट की डील पर मुहर, रक्षा मंत्रालय का बड़ा फैसला

नईदिल्ली, 13 फरवरी [एजेंसी]।

भारत ने फ्रांस से 114 राफेल फाइटर जेट खरीदने का बड़ा प्रस्ताव मंजूर कर दिया है। रक्षा खरीद परिषद ने गुरुवार को इस शुरुआती प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है। इस डील की अनुमानित कीमत 3.25 लाख करोड़ रुपये है। यह सौदा फ्रांस की कंपनी डासॉल्ट एविएशन के साथ होगा और जल्द ही दोनों देशों के बीच वाणिज्यिक और तकनीकी बातचीत भी शुरू की जाएगी। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब भारतीय वायुसेना की स्क्वाड्रन ताकत घटकर सिर्फ 29 रह गई है, जबकि स्वीकृत संख्या 42 है। पिछले कुछ महीनों में पुराने विमानों की सेवानिवृत्ति की वजह से ऐसा हुआ है।सितंबर में भारत ने अपना पुराना MiG-21 बेड़ा पूरी तरह सेवानिवृत्त कर दिया। इसके बाद जल्द ही MiG-29 के शुरुआती वेरिएंट, जगुआर और मिराज 2000 जैसे विमान भी रिटायर होने वाले हैं। इनके कारण वायुसेना में लड़ाकू विमानों की कमी गंभीर समस्या बन गई है। पड़ोसी देशों के साथ बढ़ते तनाव ने भी सेना के आधुनिकीकरण की जरूरत को और तेज कर दिया है। ऐसे में 114 नए राफेल जेट वायुसेना को पहले से ज्यादा मजबूत बनाएंगे। राफेल पहले से ही भारतीय वायुसेना में सेवा में हैं। 2016 में भारत ने फ्रांस से 36 राफेल जेट खरीदे थे, जो अब पूरी तरह ऑपरेशनल हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी निर्माण को बढ़ावा देने पर जोर दिया है। पहले भारत ज्यादातर हथियार और मशीनरी आयात करता था, लेकिन अब स्थिति बदल रही है। 1980 के दशक से ही स्वदेशी लड़ाकू विमान बनाने की कोशिशें चल रही हैं, लेकिन असली सफलता पिछले दशक में मिली जब तेजस फाइटर जेट को शामिल किया गया। तेजस MiG-21 जैसे पुराने सोवियत विमानों की जगह ले रहा है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को पहले से ही 180 तेजस Mk-1A वेरिएंट का ऑर्डर मिला हुआ है, लेकिन GE एयरोस्पेस की इंजन सप्लाई चेन समस्या के कारण डिलीवरी अभी शुरू नहीं हो पाई है। र

जयपुर एयरपोर्ट पर 12 मिनट तक आसमान में चक्कर लगाता रहा एअर इंडिया का विमान

जयपुर 13 फरवरी। जयपुर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर गुरूवार को एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-2781 को पायलट टच डाउन से पहले वापस हवा में ले गया। एअर इंडिया का यह विमान मुंबई से जयपुर दोपहर एक बजकर 50 मिनट पर पहुंचा था। पायलट ने विमान को उतारने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो सका। करीब 12 मिनट तक विमान आसमान में चक्कर लगाता रहा। इसके बाद दोपहर दो बजकर पांच मिनट विमान को सुरक्षित रूप से उतारा जा सका। उधर, नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने दिल्ली से जयपुर आने वाली इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट के तय समय से दो घंटे देरी से रवाना होने पर नाराजगी जताई है।

जमशेदपुर में राष्ट्रव्यापी हड़ताल का व्यापक असर, 510 करोड़ का कारोबार ठप

जमशेदपुर, 13 फरवरी [एजेंसी]।

केंद्र सरकार के चार श्रम कानून के विरोध में केंद्रीय श्रमिक संगठन का संयुक्त मोर्चा ने गुरुवार को एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल किया। इससे जमशेदपुर में 10 सरकारी बैंकों की 75 शाखाएं व भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की 20 शाखाओं में ताले लटके रहे। इसके कारण पूरे शहर में 510 करोड़ का व्यापार प्रभावित हुए और कई चेक क्लियरेंस नहीं हो पाए। राष्ट्रव्यापी हड़ताल के समर्थन में स्टेट बैंक आफ इंडिया और इंडियन ओवरसीज बैंक को छोड़कर बैंक आफ इंडिया, यूको बैंक, बैंक आफ बड़ौदा, केनरा बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक, फेडरबल बैंक, बैंक आफ महाराष्ट्रा, सेंट्रल बैंक आफ इंडिया व इंडियन बैंक के लगभग 2600 कर्मचारियों ने कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते हुए कामकाज ठप रखा। इस दौरान सभी कर्मचारियों ने ऑल इंडिया बैंक इम्प्लाईज एसोसिएशन, आल इंडिया बैंक आफिसर्स एसोसिएशन व बैंक इम्प्लाईज फेडरेशन आफ इंडिया के बैनर तले केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में जमकर नारेबाजी की। वहीं, इस आंदोलन में इंटक, सीटू, एटक, दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस सहित 10 ट्रेड यूनियनों ने नैतिक रूप से अपना समर्थन देते हुए हड़ताल में शामिल हुए।भारतीय जीवन बीमा निगम के बिष्टुपुर जीवन प्रकाश बिल्डिंग स्थित कार्यालय में गुरुवार को ताले लटके रहे। इंश्योरेंस इम्प्लाईज एसोसिएशन जमशेदपुर डिवीजन (आईईएजेडी) व जमशेदपुर डिवीजन इंश्योरेंस इम्प्लाईज एसोसिएशन (जेडीआईईए) के बैनर तले सभी बीमा कर्मचारियों ने नए श्रम कानून व निजीकरण का विरोध करते हुए मजदूरों के अधिकारियों की रक्षा की मांग की। बीमा कर्मचारियों ने इंश्योरेंस सेक्टर में सरकार द्वारा किए जा रहे विनिवेश का भी विरोध किया। आईईएजेडी के महासचिव सुभाष कर्ण का कहना है कि एकदिवसीय हड़ताल हमारे अधिकारों की रक्षा करने, पब्लिक सेक्टर कंपनियों की रक्षा करने और कर्मचारियों व समाज के नुकसानदायक नीतियों के खिलाफ में है।हड़ताल सिर्फ एक विरोध नहीं बल्कि हमारे अधिकारों की रक्षा के लिए है। वहीं, इस हड़ताल से जमशेदपुर सर्किल की 20 शाखाओं में कामकाज पूरी तरह से ठप रहे जिससे एक दिन में लगभग 10 करोड़ का व्यवसाय प्रभावित हुआ। हड़ताल के दौरान राजेश कुमार, गिरीश ओझा, अमित मैती, सुकांतो शर्मा, शांतनु महतो, पूरबी घोष सहित बड़ी संख्या में बीमा कर्मचारी उपस्थित थे।हड़ताल के दौरान संयुक्त मोर्चा के प्रतिनिधियों ने भारतीय स्टेट बैंक की बिष्टुपुर स्थित मुख्य शाखा के बाहर पहुंचे।

इस दौरान उन्होंने मुख्य मार्ग को अवरूद्ध करते हुए कर्मचारियों और ग्राहकों को अंदर जाने से रोक दिया। इस दौरान स्थानीय पुलिस के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे लेकिन हड़ताल का समर्थन कर रहे ट्रेड यूनियन नेताओं ने कुछ भी सुनने को तैयार नहीं हुए। हालांकि 12 बजे के बाद जब संयुक्त मोर्चा के सदस्य दूसरी बैंकों की ओर रूख किया तो बैंक में कामकाज सामान्य हो पाया। हड़ताल के समर्थन में आल इंडिया डेमोक्रेटिव स्टुडेंट आर्गेनाइजेशन (एआईडीएसओ) के छात्र जिला सचिव शुभम कुमार झा के नेतृत्व में सड़क पर उतरे। इस दौरान प्रदेश सचिव सोहन महतो ने केंद्र सरकार को मजदूर विरोधी बताते हुए सरकार नीतियों का विरोध किया। कहा कि नई शिक्षा नीति से बच्चों की शिक्षा छिनी जा रही है किसान-मजदूर के बच्चे शिक्षा से वंचित हो रहे हैं। आज शिक्षा पूरी तरह से व्यापार बन चुका है और क्लोजर-मर्जर के नाम पर सरकारी स्कूलों को बंद करने की साजिश की जा रही है। ओम प्रकाश सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में झारखंड वर्कर्स यूनियन के कार्यकर्ता सड़क पर उतरे और पोस्टर-बैनर के साथ सरकार की नीतियों का विरोध किया। इस मौके पर बी सेनापति, कृष्णा महाली, श्मशाद आलम, मनोज, सुशील उपाध्याय, गोविद, राहिणी महतो, कमलेश यादव, रुद्र पाल, राजेश स्वर्णकार सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भारत में पीली के साथ-साथ मिलती है नीली हल्दी, जानिए इस दुर्लभ मसाले के फायदे

नीली हल्दी एक दुर्लभ मसाला है, जो भारत में हाल ही में लोकप्रिय हुआ है। यह न केवल खाने का रंग बदलता है, बल्कि इसमें कई औषधीय गुण भी होते हैं। नीली हल्दी को इसका नीला रंग इसके प्रकंदों में मौजूद प्राकृतिक वर्णक पदार्थों से मिलता है। यह खास तौर से उत्तर-पूर्वी भारत में उगाई जाती है और इसे आप बिना चिंता के खान-पान में शामिल कर सकते हैं। आइए इस दुर्लभ मसाले के मुख्य लाभों पर नजर डालते हैं।

सूजन को कम करने में है कारगर

नीली हल्दी में एक खास तत्व पाया जाता है, जो सूजन को कम करने में मदद करता है। यह तत्व जोड़ों के दर्द, हड्डियों की समस्याओं और अन्य सूजन संबंधी बीमारियों के इलाज में भी सहायक हो सकता है। इसके अलावा इस खास हल्दी का सेवन चोट या संक्रमण के कारण होने वाली सूजन को भी कम कर सकता है। नियमित रूप से इसका उपयोग करने से शरीर की सूजन कम होती है और दर्द में भी राहत मिलती है।

त्वचा के लिए है लाभकारी

नीली हल्दी त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होती है। इसमें मौजूद गुण त्वचा को साफ-सुथरा और चमकदार बनाते हैं। यह मुंहासे, दाग-धब्बे और झुर्रियों को कम करने में सहायता कर सकती है। इसके अलावा यह त्वचा की नमी बनाए रखती है और उसे मुलायम बनाती है। नियमित रूप से नीली हल्दी का उपयोग करने से त्वचा की रंगत भी सुधरती है और त्वचा की देखभाल करना भी आसान हो जाता है। इसे चेहरे पर पैक के रूप में लगाएं।

पाचन तंत्र को सुधारने में है मददगार

नीली हल्दी पाचन तंत्र को सुधारने में भी सहायक होती है। इसमें मौजूद गुण पेट की समस्याओं को दूर करते हैं और पाचन क्रिया को सुधारते हैं। यह कब्ज, गैस और पेट दर्द जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करती है। इसके अलावा नीली हल्दी का सेवन करने से पेट की सफाई होती है और उसे स्वस्थ बनाए रखने में मदद मिलती है। इसे चाय या दूध में मिलाकर पीना फायदेमंद हो सकता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में है सहायक

नीली हल्दी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में भी मददगार साबित होती है। इसमें मौजूद तत्व शरीर को संक्रमण से लड़ने में सक्षम बनाते हैं और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं। नियमित रूप से इसका सेवन करने से आप सर्दी-खांसी और बुखार आदि जैसी सामान्य समस्याओं से बच सकते हैं। यह मसाला आपके शरीर को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और आपको बीमारियों से दूर रखता है।

कैंसर का जोखिम कम करने में है सहायक

नीली हल्दी कैंसर के खतरे को कम करने में भी मदद कर सकती है। इसमें मौजूद गुण शरीर में हानिकारक तत्वों को खत्म करते हैं, जो कैंसर का कारण बन सकते हैं। इसके अलावा यह कोशिकाओं की मरम्मत करती है और उन्हें स्वस्थ बनाए रखती है। नीली हल्दी का सेवन करने से कैंसर कोशिकाओं का विकास भी रुकता है और शरीर की प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है।

इसे नियमित रूप से अपने खाने में शामिल करना फायदेमंद हो सकता है।

नाना पाटेकर ने 102 डिग्री बुखार के बावजूद पूरी की ओ रोमियो की हाई एक्शन शूटिंग

वरिष्ठ अभिनेता नाना पाटेकर भारतीय सिनेमा के उन कलाकारों में से हैं, जिन्हें उनकी मेहनत, लगन और प्रोफेशनलिज्म के लिए जाना जाता है। इन दिनों वह अपनी आने वाली फिल्म ओ रोमियो को लेकर चर्चाओं में हैं। वह अपने काम को लेकर कितने प्रतिबद्ध हैं, ये फिल्म के निर्माताओं ने खुद बताया। फिल्म ओ रोमियो का निर्देशन विशाल भारद्वाज ने किया है। फिल्म में एक एक्शन सीन है, जिसे ट्रेन के सेट पर शूट किया गया। विशाल भारद्वाज ने बताया कि इस दौरान नाना पाटेकर को तेज बुखार था।

आयशा शर्मा की क्रिएटिव यात्रा में नया मोड़: अब बनीं लेखिका भी अभिनेत्री

आयशा शर्मा अपनी रचनात्मक पहचान को एक नया आयाम दे रही हैं। अब वे पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया के साथ बतौर लेखिका डेब्यू कर रही हैं। सोशल मीडिया पर अपनी दमदार मौजूदगी और एक गहराई से जुड़ी कम्युनिटी के लिए जानी जाने वाली आयशा शर्मा ने धीरे-धीरे अपनी एक अलग आवाज़ बनाई है, जो सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं है। इस किताब के जरिए वह अभिव्यक्ति का एक और रास्ता तलाश रही हैं—एक ऐसा रास्ता जो ठहराव, आत्मचिंतन और भावनात्मक ईमानदारी को जगह देता है। उनकी पहली किताब सौ छोटे-छोटे ध्यानपूर्ण विचारों का संग्रह है, जो ताकत, कोमलता और आत्म-प्रेम के इर्द-गिर्द बुना गया है। रोजमर्रा की भावनाओं से जुड़ी यह किताब खास तौर पर उन लोगों के लिए है जो थकान, आत्म-संदेह और हर वक्त खुद को साबित करने के दबाव से जूझ रहे हैं। यह किताब हल देने का दावा नहीं करती, बल्कि एक ऐसा स्पेस बनाती है जहाँ पाठक खुद को पहचान सकें और एक सुकून भरी तसल्ली महसूस कर सकें। किताब के पीछे की भावना साझा करते हुए आयशा शर्मा कहती हैं, मेरा मानना है कि सही किताब आपको सही समय पर मिलती है। उम्मीद है यह किताब आपको तब मिले जब आपको इसकी सबसे ज्यादा जरूरत हो। और जब मिले, तो आपको ऐसा महसूस हो जैसे किसी ने चुपचाप आपको गले लगा लिया हो। मेरे पास सारे जवाब नहीं हैं, लेकिन अगर मेरी लिखी बातों में आपको लगे कि 'ये तो वही एहसास है जिसे मैं हमेशा महसूस करती थी, पर शब्द नहीं दे पाती थी, तो मेरे लिए वही काफी है। आयशा शर्मा के लिए लेखन उनकी डिजिटल मौजूदगी का स्वाभाविक विस्तार है, जहाँ आत्म-विकास, भावनात्मक संतुलन और अंदरूनी सफर जैसे विषय पहले से ही उनके दर्शकों से गहराई से जुड़ते हैं। यह नया अध्याय उनकी उस कोशिश को दर्शाता है जिसमें वह अभिनय, डिजिटल कहानी कहने और अब लेखनतीनों के बीच सहजता से सफर करती हुई एक मुकम्मल क्रिएटिव पहचान गढ़ रही हैं।

दरवाजों और खिड़कियों में दरारें आ गई हैं? इन तरीकों से उन्हें करें ठीक

घर की सजावट और देखभाल करना एक बड़ी जिम्मेदारी होती है। खासकर अगर बात दरवाजों और खिड़कियों की हो तो इनकी सही देखभाल न केवल उनके जीवनकाल को बढ़ाती है, बल्कि घर की सुंदरता को भी बनाए रखती है। अक्सर घरों में दरवाजों और खिड़कियों में दरारें आ जाती हैं, जिससे वे कमजोर होकर टूट सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप इन दरारों को आसानी से ठीक कर सकते हैं।

लकड़ी की दरारें ऐसे करें ठीक

लकड़ी के दरवाजे-खिड़कियों पर दरारें अक्सर मौसम के बदलाव या नमी के कारण आ जाती हैं। इन्हें ठीक करने के लिए सबसे पहले दरार के अंदर सफाई करें। इसके बाद दरार में लकड़ी वाली गोंद डालें और उसे सूखने दें। सूखने के बाद दरार को रेगमाल से चिकना करें और फिर उसी रंग के पेंट से रंगें। इससे खिड़की और दरवाजे पहले जैसा दिखने लगेंगे। इससे न केवल दरारें ठीक होंगी, बल्कि दरवाजे या खिड़की भी सुंदर लगेंगे।

धातु की दरारें ठीक करने का तरीका

धातु की दरारें आमतौर पर दरवाजों के हैंडल या हिंग पर आ जाती हैं। इन्हें ठीक करने के लिए सबसे पहले प्रभावित हिस्से पर जंग हटाने वाला पेस्ट लगाना चाहिए। इसके बाद उसे अच्छे से रगड़ें, ताकि सफाई भी हो जाए। अब दरार वाले हिस्से पर जंगरोधी स्प्रे लगाएं, ताकि जंग न बढ़े। अंत में उस हिस्से पर नया पेंट लगाएं या उसे चमका लें, ताकि वह पहले जैसा दिखे और जंग लगने की संभावना कम हो जाए।

कांच की दरारें कैसे ठीक होंगी?

आमतौर पर खिड़कियों के कांच पर दरारें आ जाती हैं। इन्हें ठीक करने के लिए सबसे पहले प्रभावित हिस्से को साफ करना चाहिए। इसके बाद दरार पर खास कांच की मरम्मत करने वाला पेस्ट लगाएं और उसे अच्छे से फैला लें। कुछ घंटों तक इसे सूख जाने दें। सूखने के बाद दरार पर नया चमकाने वाला स्प्रे लगाएं, ताकि वह पहले जैसा दिखे और मजबूत बना रहे। इससे न केवल दरारें ठीक होंगी, बल्कि खिड़की साफ भी दिखने लगेगी।

प्लास्टिक की दरारें कैसे ठीक करें?

प्लास्टिक की दरारें ठीक करना भी आसान काम होता है। इन्हें ठीक करने के लिए सबसे पहले प्रभावित हिस्से को साफ कर लें। इसके बाद दरार पर खास प्लास्टिक की मरम्मत करने वाला पेस्ट लगाएं और उसे अच्छे से फैलाएं। कुछ घंटों तक इसे सूखने दें। सूखने के बाद दरार पर नया पेंट या सीलेंट लगाएं, ताकि वह पहले जैसा दिखे और मजबूत बना रहे। इन सरल तरीकों से आप अपने घर की देखभाल कर सकते हैं।

महावतार में ऐसा होगा विक्की कौशल का लुक

विक्की कौशल के लिए साल 2025 सबसे शानदार रहा। उनकी एतिहासिक पीरियड-ड्रामा फिल्म छावा ने बॉक्स ऑफिस पर 800 करोड़ कमाते हुए जो रिकॉर्ड कायम किया, उसके चर्चे पूरे साल देखने को मिले। फिलहाल अभिनेता संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर की तैयारी में जुटे हुए हैं। इस बीच, उनकी एक और बहुप्रतीक्षित फिल्म महावतार पर अपडेट आ गया है जिसमें उन्हें भगवान विष्णु के छठे अवतार चिरंजीवी परशुराम के किरदार में देखा जाएगा।

हाथों में गन, इंटेंस आंखें, यश की टॉक्सिक से तारा सुतारिया का फर्स्ट लुक आउट, एक्शन अवतार में ये रोल करेंगी एक्ट्रेस

कन्नड़ सुपरस्टार यश स्टारर मोस्ट अवेटेड फिल्म टॉक्सिक अपने रिलीज ईयर में आ चुकी है. फिल्म मार्च 2026 में रिलीज होगी और फिल्म से एक के बाद एक हसीनाओं के फर्स्ट लुक सामने आ रहे हैं. कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी और नयनतारा के बाद अब फिल्म से तारा सुतारिया का भी फर्स्ट लुक सामने आया है. टॉक्सिक के मेकर्स ने तारा सुतारिया का एक अवतार में फर्स्ट लुक साझा किया है. जैसे-जैसे फिल्म की रिलीज डेट नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे फिल्म की एक्ट्रेस के फर्स्ट लुक भी सामने आ रहे हैं. चलिए जानते हैं फिल्म टॉक्सिक में तारा सुतारिया का क्या रोल होगा.

गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनने वाली फिल्म टॉक्सिक से आए तारा सुतारिया के फर्स्ट लुक की बात करें तो वह ऑफ शॉल्डर डार्क ड्रेस में हाथ में गन लिए दिख रही हैं. शोल्डर कट हेयर स्टाइल और आंखों में टागरेट लिए तारा का इंटेंस लुक काफी इंप्रेसिव दिख रहा है. तारा फिल्म टॉक्सिक में रेबेका का रोल करने जा रही हैं. इस हिसाब से टॉक्सिक एक मास एक्शन फिल्म बनने जा रही है. इससे पहले फिल्म से नयनतारा का डैशिंग फर्स्ट लुक आया था. फिल्म में नयनतारा का रोल गंगा नामक लड़की का होगा. वहीं, हुमा कुरैशी एलिजाबेथ और कियारा आडवाणी नाडिया के रोल में होंगी. टॉक्सिक से आए इन चारों एक्ट्रेस के रोल काफी इंटरेस्टिंग, सरप्राइजिंग और मिस्टीरियस हैं. फिल्म टॉक्सिक की बात करें तो इसे यश और गीतू मोहनदास ने मिलकर लिखा है. फिल्म का निर्देशन गीतू ने किया है.

शब्द सामर्थ्य -314

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

1		2	■	3		4	■	5
	■	6			■	7		
8	9		■	10	11		■	
■		■	■	■		■	■	■
12		12ए	■	13		14	■	15
	■	16			■	17		
18	19		■	20	21		■	
■		■	■	■		■	■	■
22			■	23			■	24

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 313 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

बॉक्सिंग ग्लव्स पहनकर रिंग में उतरीं फातिमा सना शेख, दिखाया फुल पावर अवतार

बाल कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री फातिमा सना शेख अपनी फिल्मों और सोशल मीडिया पोस्ट से दर्शकों का खास ध्यान खींचती हैं। उन्होंने मंगलवार को एक मजेदार पोस्ट किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में वे बॉक्सिंग ग्लव्स पहने हुए नजर आ रही हैं, जबकि कुछ में वे रिंग के अंदर आत्मविश्वास से भरे पोज देती दिख रही हैं। उनका पूरा लुक काफी पावरफुल और एनर्जेटिक लग रहा है, लेकिन अभिनेत्री की आखिरी स्लाइड काफी मजेदार है, जिसमें उन्होंने बॉक्सिंग के महान खिलाड़ी अमेरिका के प्रोफेशनल बॉक्सिंग चैंपियन मोहम्मद अली की एक आइकॉनिक तस्वीर लगाई है। अभिनेत्री ने लिखा, तितली की तरह हल्के रहो, और मधुमक्खी की तरह वार करो, मुहम्मद।

फातिम ने अपनी इस पोस्ट के जरिए न सिर्फ अपनी फिटनेस को दर्शाया है बल्कि मोहम्मद अली के इंस्पिरेशन कोट्स को भी दिखाया है। अभिनेत्री का पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रहा है। वे कयास लगा रहे हैं कि आने वाली फिल्म में शायद वे बॉक्सिंग की भूमिका में होंगी।

1997 में फिल्म चाची 420 में बाल कलाकार के रूप में शुरुआत करने वाली फातिमा सना ने बॉलीवुड में कई यादगार फिल्मों में काम किया है, जिनमें लूडो, अजीब दास्तां, और सैम बहादुर शामिल हैं। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर ऐसे पोस्ट शेयर करती हैं, जो मोटिवेशनल और मजेदार होते हैं।

फातिमा इन दिनों कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं, जिसका खुलासा जल्द ही होगा। इससे पहले वे विजय वर्मा के साथ फिल्म गुस्ताख इश्क में नजर आई थीं। फिल्म में दोनों के अलावा, अभिनेता नसीरुद्दीन शाह और प्रतिभाशाली कलाकार शारिब हाशमी भी अहम रोल में थे। फिल्म को लेकर दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रिया आई थी और बॉक्स ऑफिस पर भी ज्यादा कमाई नहीं कर पाई थी। हालांकि, शुरुआत में फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर काफी क्रेज देखा गया था।

री-रिलीज होगा नागा चैतन्य-साई पल्लवी की लव स्टोरी 14 फरवरी को फिर से सिनेमाघरों में देगी दस्तक

नागा चैतन्य की लव स्टोरी उनके शानदार करियर में एक यादगार मील का पत्थर बनी हुई है। उन्होंने ग्रामीण तेलंगाना के एक जोशीले लोक डांसर का किरदार निभाया, जिसने दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी। डायरेक्टर शेखर कम्मुला की शानदार कहानी कहने की कला और चैतन्य की इमोशनल परफॉर्मेंस ने फिल्म को एक क्लासिक बना दिया। साई पल्लवी ने लीड एक्ट्रेस के तौर पर बेहतरीन काम किया, और उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री ने प्यार की एक ऐसी कहानी बनाई जो जाति और वर्ग के भेदभाव से ऊपर है। शेखर कम्मुला द्वारा ग्रामीण तेलंगाना के जीवन का असली चित्रण कहानी में और गहराई लाया। फिल्म के साउंडट्रैक, जिसमें नी चित्रम चूसी और सारंगा दरिया जैसे हिट गाने शामिल हैं, ने इसके इमोशनल असर को और बढ़ा दिया। एसवीसीएलएलपी और एमिगोस क्रिएशन्स के नारायण दास के नारंग और पुस्कुर राम मोहन राव द्वारा प्रोड्यूस की गई लव स्टोरी, सच्चे प्यार की ताकत का सबूत है। फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर सफलता और क्रिटिक्स की तारीफें इसकी शानदार कहानी, बेहतरीन परफॉर्मेंस और सच्चे एहसास का नतीजा हैं। मेकर्स फिल्म को 14 फरवरी, वैलेंटाइन डे पर फिर से रिलीज़ कर रहे हैं, जो प्यार को फिर से जगाने के लिए एकदम सही मौका है। कपल्स और चैतन्य-साई पल्लवी के फैंस एक बार फिर बड़े पर्दे पर लव स्टोरी का जादू देख सकते हैं। अपनी सिंपल, सच्ची और कई लेयर्स वाली कहानी के साथ, लव स्टोरी सभी बैकग्राउंड के लोगों को पसंद आती है। शेखर कम्मुला का डायरेक्शन और कास्ट की परफॉर्मेंस इसे रोमांस पसंद करने वालों के लिए ज़रूर देखने लायक बनाती है।

परो वायरस से जिले में एक सप्ताह में 8 पिल्लों की मौत से पालक दुखी, टीकाकरण की मांग

कोरिया बैकुंठपुर। मौसम परिवर्तन के साथ ही परो वायरस का खतरा एक बार फिर बढ़ने लगा है। इस वर्ष भी यह जानलेवा वायरस कुत्तों के पिल्लों पर भारी पड़ रहा है। बैकुंठपुर नगर क्षेत्र में बीते तीन दिनों के भीतर 8 पिल्लों की मौत हो चुकी है, जिससे पशुपालकों और स्थानीय नागरिकों में चिंता का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, परो वायरस मुख्य रूप से छोटे पिल्लों को अपनी चपेट में लेता है। संक्रमित पिल्लों में लगातार दस्त होना, शरीर का सुस्त पड़ जाना, कमजोरी और भूख न लगना प्रमुख लक्षण बताए जा रहे हैं। समय पर उपचार नहीं मिलने पर यह बीमारी तेजी से जानलेवा साबित होती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जहां पालतू कुत्तों के पिल्लों की देखरेख और उपचार के कारण कुछ की जान बचाई जा रही है, वहीं लावारिस पिल्लों के लिए यह वायरस मौत का कारण बन रहा है। नगर के विभिन्न मोहल्लों में बीते चार दिनों के भीतर 8 पिल्लों की मौत हो चुकी है और आगे भी इस बीमारी के फैलने की आशंका से

इनकार नहीं किया जा सकता। चिंता की बात यह है कि पशु चिकित्सा विभाग की ओर से अब तक इस वायरस की रोकथाम को लेकर कोई विशेष दिशा-निर्देश जारी नहीं किए गए हैं और न ही व्यापक स्तर पर टीकाकरण या जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि इस गंभीर स्थिति को देखते हुए तत्काल प्रभाव से रोकथाम और उपचार के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। विशेषज्ञों के अनुसार, परो वायरस केवल कुत्तों के पिल्लों के लिए ही नहीं, बल्कि बकरियों सहित अन्य पशुओं के लिए भी घातक साबित हो सकता है। ऐसे में समय रहते सतर्कता और टीकाकरण ही इस बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। नगरवासियों ने पशु चिकित्सा विभाग से अपील की है कि प्रभावित क्षेत्रों में टीम भेजकर स्थिति का सर्वे कराया जाए, लावारिस पिल्लों के उपचार की व्यवस्था की जाए तथा लोगों को इस वायरस के लक्षण और बचाव के उपायों की जानकारी दी जाए, ताकि आगे होने वाली संभावित मौतों को रोका जा सके।

प्राकृतिक आपदा में मृतकों के वारिसों को 12 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

कोरिया। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर के राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड 6-4 में संशोधित प्रावधानों में निहित प्रावधान अनुसार राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड 6(4) के परिशिष्ट-1 की कंडिका-6(1) के तहत प्राकृतिक आपदा राहत के अंतर्गत 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। अपर कलेक्टर द्वारा प्राकृतिक आपदा में मृतकों के वारिसों को 12 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। जिसमें तहसील सोनहत के ग्राम बेलाई निवासी सुखमन उर्फ सुखमनिया की मृत्यु पानी में डूबने से होने पर उनके वारिस चन्द्रभान सिंह, ग्राम तंजरा के निवासी सुनिता की मृत्यु सर्पदंश से होने पर उनके वारिस रामलाल, तहसील पोंडी (बचरा) के ग्राम तोलगा निवासी रघुवंशी की मृत्यु आग में जलने से होने पर उनके वारिस बालकुवंर को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है।

बजट युवाशक्ति को समर्पित विकास का रोडमैप-स्वास्थ्य मंत्री

एमसीबी। मनेन्द्रगढ़। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि सरकार का प्रत्येक बजट युवाओं के भविष्य को सशक्त बनाने की दिशा में केंद्रित है और युवाशक्ति ही राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, रोजगार के नए अवसरों और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में उठाए जा रहे कदमों का उल्लेख करते हुए युवाओं से विकास प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। यह बात उन्होंने मनेन्द्रगढ़ के विमल श्री परिसर में आयोजित युवा संवाद बजट 2026 के अंतर्गत संभाग स्तरीय बजट युवा संवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कही। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा किया गया, जिसमें जिले और संभाग भर से बड़ी संख्या में युवा, पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। आयोजन स्थल पर उत्साह और संगठनात्मक एकजुटता का माहौल रहा।कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिया ने की। विशिष्ट अतिथियों में भाजपा जिलाध्यक्ष चंपा देवी पावले, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिमा यादव, नपा उपाध्यक्ष धर्मेंद्र पटवा, नगर पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राणा, नगर पंचायत अध्यक्ष रीमा यादव, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष अंकित शर्मा, युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष कोमल पटेल सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।संवाद सत्र में युवाओं को केंद्र और राज्य सरकार के बजट 2026 की प्रमुख घोषणाओं, योजनाओं और विकास दृष्टि से अवगत कराया गया। रोजगार सृजन, स्टार्टअप प्रोत्साहन, स्वरोजगार, कौशल विकास, शिक्षा के नए प्रावधान, स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, डिजिटल सशक्तिकरण और आधारभूत ढांचे के विकास जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।खुले मंच पर युवाओं ने अपने प्रश्न भी रखे, जिनका अतिथियों ने विस्तार से जवाब दिया। संवादात्मक शैली में आयोजित इस कार्यक्रम ने युवाओं को नीति और बजट प्रक्रिया को समझने का अवसर प्रदान किया।प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिया ने कहा कि बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों को साकार करने का रोडमैप है। उन्होंने योजनाओं की जानकारी युवाओं तक पहुंचाने के लिए संगठन स्तर पर व्यापक अभियान चलाने की बात कही।अंत में आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ तथा युवाओं ने राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

कोरिया महोत्सव में बहेगी शास्त्रीय सुरों की धारा बनारस घराने के डॉ. राकेश कुमार देंगे प्रस्तुति

कोरिया बैकुंठपुर। जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में आयोजित होने जा रहे बहुप्रतीक्षित कोरिया महोत्सव में इस वर्ष शास्त्रीय संगीत प्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण रहेगा। बनारस घराने के सुप्रसिद्ध बांसुरी वादक डॉ. राकेश कुमार महोत्सव में अपनी सुरमयी प्रस्तुति से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। डॉ. राकेश आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के 'ए ग्रेडेड' कलाकार हैं और वर्तमान में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के वाद्य संगीत विभाग में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। देश-विदेश के प्रतिष्ठित संगीत मंचों पर अपनी प्रभावशाली प्रस्तुतियों से पहचान बना चुके डॉ. राकेश कुमार शास्त्रीय संगीत की परंपरा और आधुनिक संवेदनाओं का अद्भुत संगम प्रस्तुत करने के लिए जाने जाते हैं। उनकी बांसुरी से निकले मधुर स्वर श्रोताओं को आध्यात्मिक अनुभूति से भर देते हैं। कोरिया महोत्सव के मंच पर उनकी प्रस्तुति को लेकर संगीत प्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। इस विशेष संध्या में तबले पर संगत करेंगे बनारस घराने के प्रतिभाशाली तबला वादक आनंद कुमार मिश्रा। वे बनारस घराने के खलीफा माने जाने वाले पं. दीपक सहाय एवं पं. संजू सहाय के योग्य शिष्य हैं। उनकी सधी हुई ताल और लयकारी कार्यक्रम को और भी ऊँचाई प्रदान करेगी। कोरिया महोत्सव का आयोजन 17, 18 और 19 फरवरी 2026 को प्रतिदिन शाम 5 बजे से रामानुज मिनी स्टेडियम, बैकुंठपुर (जिला-कोरिया, छत्तीसगढ़) में किया जाएगा। आयोजकों ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे अपने मित्रों एवं परिवार के साथ अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस सांस्कृतिक महोत्सव की विविध प्रस्तुतियों का आनंद लें।

परीक्षा 22 को दो पालियों में आयोजन

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा की तिथि घोषित कर दी है। यह परीक्षा 22 फरवरी 2026 को प्रदेश के सभी 33 जिलों में बनाए गए निर्धारित केंद्रों पर संपन्न कराई जाएगी। अभ्यर्थी अपने प्रवेश पत्र आयोग के आधिकारिक जालस्थल से प्राप्त कर सकते हैं। आयोग से मिली जानकारी के अनुसार इस चयन प्रक्रिया के माध्यम से कुल 265 पद भरे जाएंगे। परीक्षा दो चरणों में आयोजित होगी। पहला चरण प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक चलेगा, जबकि दूसरा चरण दोपहर 3 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

धार्मिक अनुष्ठान में एक जोड़े का विवाह संपन्न कराने के साथ विधायक रेणुका ने दी आर्थिक सहायता, लोग हुए खुश

कोरिया बैकुंठपुर। महादेव सेवा समिति सोनहत के तत्वाधान में स्थानीय मिनी स्टेडियम में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा के चौथे दिन एक अत्यंत भावुक और प्रेरणादायी सामाजिक पहल देखने को मिली। कथा मंच से मानव सेवा और सामाजिक समरसता का संदेश देते हुए एक अनाथ वर और अनाथ वधु का विवाह विधिवत संपन्न कराया गया। इस पावन अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने नवदंपत्ति को आशीर्वाद प्रदान किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अनाथ वर चि. भवन कुमार नागवंशी, सुपुत्र स्वर्गीय रामदीन, ग्राम बेलिया तथा अनाथ वधु सौ.का. जगमन सूर्यवंशी, सुपुत्री स्वर्गीय बालकेश्वर, ग्राम छीगुरा का विवाह वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ। विवाह समारोह में कथा श्रवण हेतु पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने इस सामाजिक पहल की सराहना की और नवविवाहित जोड़े के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम की गरिमा उस समय और बढ़ गई जब महादेव सेवा समिति की संरक्षक एवं क्षेत्र की विधायक, पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीमती रेणुका सिंह मंच पर उपस्थित रहीं। उन्होंने नवविवाहित जोड़े को स्नेह, आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं प्रदान करते हुए उनके सुखद दांपत्य जीवन की कामना की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि समाज में ऐसे युवाओं की सहायता करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है, जिनके सिर से माता-पिता का साया उठ चुका है। समाज यदि आगे बढ़कर सहयोग करे तो किसी भी जरूरतमंद को असहाय महसूस नहीं करना पड़ेगा। इस अवसर पर विधायक श्रीमती रेणुका सिंह ने बेघर नवविवाहित जोड़ी के लिए विशेष घोषणा करते हुए उनके घर की व्यवस्था हेतु 2 लाख 51 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने की घोषणा की। उनकी इस घोषणा पर उपस्थित जनसमूह ने तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया। यह सहायता राशि नवदंपत्ति के नए जीवन की मजबूत नींव रखने में सहायक सिद्ध होगी। महादेव सेवा समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि शिव महापुराण कथा का उद्देश्य केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से सामाजिक सरोकारों को भी आगे बढ़ाया जा रहा है। समिति समय-समय पर गरीब, जरूरतमंद एवं अनाथ बच्चों की सहायता के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करती रही है। इस विवाह आयोजन को भी उसी कड़ी का एक महत्वपूर्ण प्रयास बताया गया। समारोह में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल को समाज के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बताया। शिव महापुराण कथा के मंच से संपन्न हुआ यह विवाह न केवल दो जीवनों का मिलन बना, बल्कि मानवता, सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी का भी सशक्त संदेश दे गया।

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में बिजली उपभोक्ता 6 गुना, सिंचाई पंप 9 गुना बढ़े

25 वर्षों में बिजली नेटवर्क का बड़ा विस्तार, कृषि और उद्योग को मिली नई ऊर्जा

एमसीबी। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के अंतर्गत अंबिकापुर क्षेत्र में आने वाले मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में पिछले 25 वर्षों के दौरान विद्युत अधोसंरचना एवं उपभोक्ता सेवाओं में उल्लेखनीय विस्तार दर्ज किया गया है। वर्ष 2000 में अविभाजित कोरिया जिले का हिस्सा रहे इस क्षेत्र का भौगोलिक क्षेत्रफल 6228 वर्ग किलोमीटर था, जो वर्ष 2022 में अलग जिला बनने के बाद 4227 वर्ग किलोमीटर रह गया। इसके बावजूद विद्युत सुविधाओं का तीव्र विस्तार किया गया है। आंकड़ों के अनुसार जिले में कुल विद्युत उपभोक्ताओं की संख्या 21,209 से बढ़कर 57,549 हो गई है, जो लगभग 200 प्रतिशत वृद्धि को दर्शाती है। उच्च दाब उपभोक्ता 15 से बढ़कर 37 तथा निम्न दाब उपभोक्ता 9,505 से बढ़कर 57,549 तक पहुंच गए हैं। बीपीएल कनेक्शन 3,562 से बढ़कर 22,679 और घरेलू उपभोक्ता 7,999 से बढ़कर 27,213 हो गए हैं। वहीं सिंचाई पंप उपभोक्ताओं की संख्या 128 से बढ़कर 1,159 तक पहुंच गई है, जो कृषि क्षेत्र में विद्युत सुविधाओं के व्यापक विस्तार का संकेत है। विद्युत अधोसंरचना में भी व्यापक वृद्धि हुई है। जिले में 132/33 केवी उपकेंद्रों की संख्या 1 से बढ़कर 2 (चैनपुर एवं बहरासी) हो गई है, जबकि 33/11 केवी उपकेंद्र 4 से बढ़कर 13 हो गए हैं। पावर ट्रांसफार्मर 5 से बढ़कर 17 तथा वितरण ट्रांसफार्मर 276 से बढ़कर 3,018 तक पहुंच गए हैं। उच्च दाब लाइनों की लंबाई 734 किमी से बढ़कर 3,718 किमी और निम्न दाब लाइनों की लंबाई 368 किमी से बढ़कर 3,429 किमी हो गई है। डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी द्वारा एक जोन एवं 8 वितरण केंद्रों के माध्यम से जिले के सभी गांवों का शत-प्रतिशत विद्युतीकरण सुनिश्चित किया गया है तथा 57 हजार से अधिक उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति प्रदान की जा रही है। विद्युत सेवाओं के विस्तार से कृषि, उद्योग एवं घरेलू उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिला है और जिले के समग्र विकास को नई गति मिली है।

पुलिस ने नेपाल बार्डर-बहराइच उत्तरप्रदेश से धोखाधड़ी के 2 आरोपियों को पकड़ा

सूरजपुर। ग्राम सिरसी निवासी चिंतामणी बंजारे पिता स्व. मनोहर राम बंजारे उम्र 45 वर्ष ने चौकी बसदेई में धोखाधड़ी करने संबंधी शिकायत पत्र दिया जिसकी जांच पर पाया गया कि आवेदक का लड़का अनिल बंजारे के विरूद्ध थाना गांधीनगर में धारा 22 एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण में जेल में निरूद्ध होने से अपराध से नाम हटवाने के नाम पर अज्ञात मोबाईल धारक के द्वारा खुद को थाना प्रभारी व जेल अधीक्षक बताते हुए धोखाधड़ी कर 75 हजार रूपये छलपूर्वक फोन-पे के माध्यम से लिया गया जो धारा 318(4) बीएनएस का अपराध घंटित करना पाए जाने पर चौकी बसदेई पुलिस द्वारा दिनांक 13.09.2025 को अज्ञात मोबाईल धारक के विरूद्ध अपराध क्रमांक 497/25 पंजीबद्ध किया गया। मामले की सूचना पर डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने आरोपी की पतासाजी कर जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। चौकी बसदेई पुलिस ने आरोपी की जानकारी हासिल कर तकनीकी मदद ली जो आरोपियों को उत्तरप्रदेश में होना पाया। आईजी सरगुजा रेंज श्री दीपक कुमार झा व डीआईजी/एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने आरोपी को पकड़ने चौकी बसदेई की पुलिस टीम गठित कर उत्तरप्रदेश के लिए रवाना किया। गठित टीम के द्वारा काफी पतासाजी के बाद बहराईच जिला उत्तरप्रदेश में दबिश देकर आरोपी इमरान पिता समशेर उम्र 22 वर्ष एवं मोहम्मद आलम पिता नूर अली उम्र 29 वर्ष निवासी पेटरहा, थाना मोतीपुर, जिला बहराइच उत्तरप्रदेश को पकड़ा और दोनों को चौकी बसदेई लाया गया। पूछताछ पर आरोपियों ने बताया कि प्रार्थी के मोबाईल में फोन कर धोखाधड़ी कर छलपूर्वक उसके लड़का को जेल से छुड़ाने के नाम पर 1 अन्य सहयोगी के साथ मिलकर 75 हजार रूपये की ठगी कर गुगल-पे में डलवाकर धोखाधड़ी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किए। आरोपियों से 2 नग मोबाईल, 8 नग सीम, 3 बैंक पासबुक, 1 एटीएम कार्ड व 1 चेकबुक जप्त कर दोनों को गिरफ्तार किया गया है। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन व एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा के मार्गदर्शन चौकी प्रभारी बसदेई योगेन्द्र जायसवाल, आरक्षक देवदत्त दुबे, नीलेश जायसवाल, युवराज यादव, रौशन सिंह, अशोक केंवट, राकेश सिंह, रामकुमार, आदित्य यादव, अशोक सिंह, भुनेश्वर सिंह व सैनिक अनिल विश्वकर्मा सक्रिय रहे।

हिंद विद्यालय में छलके जज़्बात, मुस्कान और आँसू के बीच दी गई कक्षा 12वीं को भावभीनी विदाई

संस्कार ,अनुशासन और स्नेह की पाठशाला से निकले विद्यार्थी नई राह की ओर

चरचा कॉलरी। नगर पालिका शिवपुर-चरचा की प्रतिष्ठित एवं विश्वसनीय शैक्षणिक संस्था हिंद विद्यालय इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए भावभीनी विदाई समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कक्षा 11वीं के छात्र-छात्राओं एवं विद्यालय प्रबंधन के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ।कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं भारत माता के छायाचित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर तथा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस गरिमामयी अवसर पर मुख्य रूप से नगर पालिका अध्यक्ष अरुण जायसवाल, उपाध्यक्ष राजेश सिंह, जिला जर्नलिस्ट प्रेस क्लब कोरिया के संरक्षक नीरज गुप्ता, विद्यालय के संचालक नेसार खान, प्राचार्य शशि भूषण राय, प्राचार्य सेजस बैकुंठपुर अंसारी सर, श्रीमती विवेक सिद्दीकी, श्रीमती लक्ष्मी बघेल, श्रीमती कमरूल निशा, पवन अग्रवाल, मिंटू सर सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों ने विद्यालय में बिताए अपने खट्टे-मीठे अनुभवों, भविष्य की योजनाओं एवं जीवन के लक्ष्यों को साझा किया। कई छात्र-छात्राएं अपने अनुभव सुनाते हुए भावुक हो उठे। उनकी आंखों से आंसुओं की अविरल धारा बहती रही। वातावरण में एक ओर उपलब्धियों की खुशी थी, तो दूसरी ओर बिछड़ने का गम भी साफ झलक रहा था।विद्यार्थियों ने कहा कि 'घर-परिवार के बाद यदि कहीं हमें अपनापन और सुरक्षा का एहसास हुआ, तो वह हमारा विद्यालय है। यहाँ आकर कभी महसूस नहीं हुआ कि हम घर से दूर हैं। छात्र छात्राओं ने विशेष रूप से प्राचार्य शशि भूषण राय के अनुशासन, स्नेह एवं मार्गदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि उनका कठोर अनुशासन ही आज उनकी सफलता की नींव है। नगर पालिका अध्यक्ष अरुण जायसवालने अपने उद्बोधन में कहा कि विदाई अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत का प्रतीक है। जीवन में लक्ष्य बड़ा रखें, संघर्ष से घबराएँ नहीं। सफलता उन्हीं को मिलती है जो सपनों को सच करने का साहस रखते हैं। हिंद विद्यालय ने आपको केवल शिक्षा नहीं दी, बल्कि संस्कार, अनुशासन और जिम्मेदारी का भाव भी दिया है। आप जहाँ भी जाएँ, अपने माता-पिता, विद्यालय और नगर का नाम रोशन करें। आज के विद्यार्थी ही कल के डॉक्टर, इंजीनियर, प्रशासनिक अधिकारी और समाज के नेतृत्वकर्ता बनेंगे। इसलिए अपने चरित्र को मजबूत रखें, क्योंकि चरित्र ही आपकी सबसे बड़ी पूंजी है। नगर पालिका उपाध्यक्ष राजेश सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में कठिनाइयाँ आएंगी, लेकिन जो धैर्य और आत्मविश्वास बनाए रखता है, वही आगे बढ़ता है। विद्यालय की सीख और गुरुजनों का आशीर्वाद जीवन भर आपका मार्गदर्शन करेगा। याद रखिए, सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता— परिश्रम ही उसका एकमात्र मार्ग है।उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा दी। विद्यालय के डायरेक्टर निसार खान ने कहा कि यह विदाई नहीं है स्कूल परिसर सदैव आपका है आप जब चाहे यहां आ सकते हैं आप लोगों के आने व सहयोग से निश्चित ही हमें बेहद खुशी होगी मैं आप सभी के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं। उद्बोधन के पश्चात विद्यार्थियों द्वारा गीत, संगीत का कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिसने समारोह में उत्साह और उल्लास का वातावरण बना दिया। अंत में सभी ने एक साथ बैठकर स्नेहभोज का आनंद लिया।विदाई समारोह ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि हिंद विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कार और आत्मीयता का परिवार है— जहाँ से निकलने वाला हर छात्र अपने साथ यादों की अमूल्य पूंजी लेकर आगे बढ़ता है।

बीपीसीएल के नेचुरल गैस पाइपलाइन प्लांट का उद्घाटन, सरगुजा संभाग के 5 जिलों को मिलेगा लाभ

एमसीबी। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा मनेंद्रगढ़ शहर में नेचुरल गैस पाइपलाइन प्लांट का विधिवत उद्घाटन किया गया। यह परियोजना छत्तीसगढ़ के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है, क्योंकि यह राज्य का पहला नेचुरल गैस पाइपलाइन प्लांट है। जानकारी के अनुसार लगभग 1125 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस प्लांट के माध्यम से सरगुजा संभाग के पांच जिलों में पाइपलाइन के जरिए प्राकृतिक गैस की आपूर्ति की जाएगी। इसके लिए क्षेत्र में 54 सब-स्टेशन स्थापित किए जाएंगे, जहां से घरों और प्रतिष्ठानों तक पाइप के माध्यम से गैस सप्लाई होगी। उद्घाटन अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी द्वारा विकसित भारत 2047 की जो परिकल्पना की गई है, यह परियोजना उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि पाइपलाइन गैस व्यवस्था लागू होने से लोगों को गैस सिलेंडर लेने की परेशानी से मुक्ति मिलेगी और उपभोक्ता जितनी गैस उपयोग करेंगे, उतना ही मासिक बिल का भुगतान करेंगे।

विद्यार्थियों ने आकाशवाणी केंद्र, मौसम विभाग एवं मधुमक्खी पालन की कार्यप्रणाली को जाना

सूरजपुर। पीएम सेजेस जयनगर के विद्यार्थियों के लिए एक शैक्षणिक एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया। इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने आकाशवाणी केंद्र अंबिकापुर, मौसम विभाग तथा हनीबी पार्क का दौरा कर विभिन्न तकनीकी एवं व्यावहारिक जानकारियाँ प्राप्त कीं।सबसे पहले विद्यार्थियों ने आकाशवाणी केंद्र, अंबिकापुर का भ्रमण किया। इस अवसर पर केंद्र के वरिष्ठ अभियंता अरुण श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को आकाशवाणी की कार्यप्रणाली एवं प्रसारण प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आकाशवाणी केंद्र से प्रसारित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम देश की जनजातीय सभ्यता और संस्कृति को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।विद्यार्थियों को बताया गया कि आकाशवाणी केंद्र में मुख्य रूप से दो विभाग कार्यरत हैं-इंजीनियरिंग विभाग एवं सांस्कृतिक विभाग। दोनों विभागों के समन्वय से विभिन्न कार्यक्रमों का सफल प्रसारण किया जाता है। विद्यार्थियों ने जाना कि आधुनिक मशीनों की सहायता से ध्वनि रिकॉर्डिंग, संपादन (एडिटिंग) तथा ट्रांसमीटर एवं एम्प्लीफायर के माध्यम से प्रसारण की प्रक्रिया किस प्रकार संपन्न होती है। साथ ही, भारत सरकार द्वारा संचालित आकाशवाणी मोबाइल ऐप के बारे में भी जानकारी दी गई, जिसके माध्यम से देश के सभी आकाशवाणी केंद्रों के कार्यक्रम इंटरनेट के जरिए कहीं भी सुने जा सकते हैं।इसके पश्चात विद्यार्थियों ने मौसम विभाग का दौरा किया, जहां शिवानी मिश्रा ने विभिन्न मौसम मापक उपकरणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विद्यार्थियों को इवैपोरेशन मीटर द्वारा पानी के वाष्पीकरण की मात्रा ज्ञात करने की प्रक्रिया समझाई गई। एनीमोमीटर से हवा की गति तथा विंड वेन से हवा की दिशा मापने की जानकारी दी गई।साथ ही स्टीवेंसन स्क्रीन में लगे चार थर्मामीटर, अधिकतम, न्यूनतम, ड्राई बल्ब एवं वेट बल्ब कार्यों के बारे में बताया गया, जिनसे तापमान एवं आर्द्रता का मापन किया जाता है। विद्यार्थियों ने ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन के बारे में भी जानकारी प्राप्त की, जहाँ से सभी मौसम संबंधी आंकड़े स्वचालित रूप से दर्ज होकर रडार के माध्यम से दिल्ली भेजे जाते हैं।भ्रमण के अंतिम चरण में विद्यार्थी हनीबी पार्क पहुँचे, जहाँ उन्होंने मधुमक्खियों के जीवन चक्र और शहद निर्माण की प्रक्रिया के बारे में जाना। उन्हें बताया गया कि एक छत्ते में एक रानी मधुमक्खी (क्वीन बी) और अनेक श्रमिक मधुमक्खियाँ (वर्कर बी) होती हैं। मधुमक्खी पालन एवं शहद उत्पादन की प्रक्रिया को एपिकल्चर कहा जाता है।यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं तकनीकी दृष्टि से उपयोगी सिद्ध हुआ। इससे विद्यार्थियों को प्रसारण तकनीक, मौसम विज्ञान तथा मधुमक्खी पालन जैसे विविध क्षेत्रों की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त हुई, जो उनके सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होगी।

ओड़गी के ग्रामों को सीधा विकासखण्ड मुख्यालय से जोड़ने हेतु कराया जायेगा रिहन्द नदी पर पुल का निर्माण

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देश के अनुपालन एवं मार्गदर्शन में ओड़गी विकास खण्ड के ग्राम बिलासपुर मांदर, इरिया, चिकनी, झिलमिली इत्यादि ग्रामों को सीधा विकासखण्ड मुख्यालय को जोड़ने हेतु लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग (छ.ग.) शासन द्वारा रिहन्द नदी पर पुल का निर्माण कराया जा रहा है। सेतु निर्माण की गुणवत्ता एवं बारीकियों का जांच करने हेतु सुनील अग्रवाल डिप्टी कलेक्टर का प्रवास उक्त सेतु निर्माण स्थल में हुआ। सेतु निर्माण विभाग के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि पुल की लम्बाई 240.00 मी. चौड़ाई 8.40 मी. एवं ऊंचाई लगभग 18 मी. है। पुल का लागत राशि 1014.72 लाख है। इस कार्य का अनुबंधक मेसर्स अशोक कुमार मित्तल है।अग्रवाल डिप्टी कलेक्टर द्वारा स्थल पर उपलब्ध मशीनरी एवं उच्च कुशल मजदूरों का जायजा लिया। स्थल निर्माण सामाग्रियों की उपलब्ध एवं सुरक्षा मानकों की सूक्ष्म जांच की। कांक्रिट की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु सीमेंट कांक्रिट क्यूब की जांच सीटीएम मशीन से किया और संतोष व्यक्त किया गया। सेतु निर्माण के अधिकारियों द्वारा भी डिप्टी कलेक्टर महोदय को स्थल पर सेतु निर्माण की प्रक्रिया चरण एवं कार्य करने का तरीकों से अवगत कराया। अनुबंधक के इंजीनियरों ने भी स्थल पर निर्माण के दौरान आने वाली कठिनाईयों से अवगत कराया।अंत में अग्रवाल द्वारा स्थल पर सेतु निर्माण के अधिकारियों को यथासंभव जून 2026 तक पुल का निर्माण पूर्ण करने हेतु गुणवत्ता तथा सुरक्षा मानकों का खास ख्याल रखने का निर्देश दिया गया।

एनएच 130 में मोरगा के पास दो गाड़ियों की भिड़ंत, दो की मौत

घायल पांच लोगों को सीएचसी में दिया गया उपचार, मामला दर्ज

कोरबा। नेशनल हाइवे-130 में कोरबा से 90 किलोमीटर दूर मोरगा क्षेत्र में मध्य रात्रि को दो चारपहिया गाड़ियों की करारी भिड़ंत हो गई। झरना मोड़ के पास हुए हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ितों को पोड़ी उपरोड़ा सीएचसी में उपचार दिया गया। इनमें से दो को मेडिकल कॉलेज कोरबा रेफर किया गया। घटना पर मोरगा पुलिस ने अपराध दर्ज किया है।

बांगो थाना क्षेत्र की मोरगा चौकी क्षेत्र अंतर्गत केंदई नेशनल हाईवे पर पिछली रात 12 बजे के लगभग झरना मोड़ के पास यह हादसा हुआ। जानकारी मिली कि पुटा गांव में आयोजित वैवाहिक समारोह में हिस्सा लेने के लिए कुछ लोग चारपहिया वाहन से पहुंचे थे और इसके बाद कोरबी लौट रहे थे। मोरगा के पास इनकी गाड़ी की एक दूसरी कार से टक्कर हो गई। दुर्घटना में दोनों कारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। हालांकि, दोनों वाहनों के एयरबैग खुल गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गई। तत्काल मोरगा चौकी पुलिस और 112 नंबर पर सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस को बुलाकर घायलों को अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने सभी घायलों को एंबुलेंस के जरिए पोड़ी उपरोड़ा स्थित स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद दो गंभीर घायलों को बेहतर इलाज के लिए जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है।

हमारे संवाददाता ने बताया कि आल्टो 100 कार में चार लोग सवार थे, जिसमें दो की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हुए हैं। वहीं दूसरी कार में तीन लोग सवार थे और ये तीनों घायल हो गए। दोनों वाहनों में सवार लोग कोरबी क्षेत्र के निवासी हैं। मृतकों में एक की पहचान धन सिंह यादव के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है। मोरगा चौकी प्रभारी मंगतू राम ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम देर रात मौके पर पहुंची। मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए पोड़ी उपरोड़ा मर्च्यूरी भेजे गए हैं। आज सुबह कानूनी कार्रवाई और आगे की जांच की जा रही है।

कटा पैसा अगले वेतन में जोड़वाने का प्रयास

कोरबा। एसईसीएल दीपका परियोजना में कार्यरत कई कामगारों का पैसा वेतन में नहीं जुड़ पाया है। जिसके लिए एचएमएस ने प्रयास तेज कर दिए हैं। अन्य संगठन के कार्यकर्ता भी अपने-अपने स्तर पर लगे हुए हैं। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार एसईसीएल में बायोमैट्रिक प्रणाली को लागू किया जा रहा है। इसके लिए सभी इकाईयों में लगातार बैठक हुई है। अधिकांश स्थानों पर बायोमैट्रिक प्रणाली व रजिस्टर के आधार पर वेतन बनता है। लेकिन दीपका में बायोमैट्रिक प्रणाली के आधार पर वेतन बना दिया। जिसके चलते कई कामगारों के वेतन में पूरे दिन का पैसा नहीं आ सका। इस संबंध में एचएमएस के गिरजा साहू ने बताया कि मामले की शिकायत उनके वरिष्ठ ने नाथूलाल पांडेय से की गई है। उन्होंने शिकायत मिलते ही प्रयास भी तेज कर दिए हैं। अगले वेतन में यह पैसा जुड़कर मिलेगा। इसी तरह अन्य श्रमिक संगठन के सतीश सिंह, रामकुमार कौशिक ने भी प्रयास तेज कर दिए है।

*कोरबा। अरसे बाद सुभाष ब्लॉक मुख्य मार्ग के गड्ढों को पाटने के लिए पेचवर्क कराया गया। जबकि दूसरे मार्गों पर अभी भी समस्याएं हैं।

पार्षद निधि से कराए विकास कार्य का दो करोड़ चाहते हैं ठेकेदार

कोरबा। नगर पालिका निगम कोरबा के विभिन्न वार्ड के अंतर्गत पार्षद निधि से कराए गए कार्यों का भुगतान लेने के लिए अब ठेकेदारों को कोशिश तेज करनी पड़ी है वर्ष 2024 के मामले में 37 ठेकेदारों को 201 लाख रुपए का भुगतान प्राप्त करना है। भुगतान के अभाव में कई प्रकार की समस्याएं उनके सामने पेश आ रही हैं।

कई स्तर पर पत्राचार करने पर बात नहीं बनी तो उन्होंने नगरी निकाय विभाग के संचालक को अवगत कराया। कॉन्टैक्टर संगठन की मांग है कि किसी भी तरह से उनके लंबे भुगतान को करने की व्यवस्था की जाए। नगरीय निकाय संचालक को बताया गया कि उनके द्वारा नगर निगम के अनेक वार्डों में पार्षद निधि से विकास कार्य कराए गए थे। ऐसे कार्यों को दो वर्ष हो चुके हैं। संबंधित कुल राशि 2 करोड़ 1 लख रुपए होती है। विभिन्न पार्टियों को उनकी ओर से भुगतान किया जाना है। राशि का भुगतान न होने से कई प्रकार की चुनौतियां हैं और इसके चलते हमारे मुश्किल पड़ रही है। कांट्रेक्टर एसोसिएशन ने कहा कि नगर निगम के पास पर्याप्त संसाधन है। ऐसी स्थिति में पिछले वर्षों के लंबित भुगतानों के मामले में त्वरित कार्रवाई की जानी चाहिए। कांट्रेक्टर एसोसिएशन की ओर से कहा गया है कि शहरी क्षेत्र में विकास के लिए हम लोग अपनी ओर से भरपूर कोशिश कर रहे हैं इसलिए भी आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे प्रकरणों में भुगतान को लेकर यथाशीघ्र गंभीरता दिखाई जानी चाहिए

विस्थापितों के मसलों को प्राथमिकता से करें हल : सुशील

कोरबा। भारतीय जनता सेक्यूलर पार्टी के प्रमुख सुशील विश्वकर्मा ने कोरबा जिले से मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड में विस्थापितों के मसलों को प्राथमिकता से हल करने पर जोर दिया। उन्होंने इस बारे में पीएमओ सहित छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री को पत्राचार किया है। उन्होंने कहा कि अधिकांश परियोजनाओं में वर्षों से रोजगार के मामले लंबित है। कुछ स्थानों पर पुनर्व्यवस्थापन और मुआवजा की भी दिक्कतें हैं। इन कारणों से गतिरोध उत्पन्न हो रहा है। नई परियोजनाओं को ऊंचाई देने से पहले इन मसलों पर ध्यान देना चाहिए।

नहर पुल से 15 को निकलेगी शिव बारात

दुरपा रोड मंदिर में अगले दिन दोपहर से भंडारा

कोरबा। महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में यहां के पीएच रोड स्थित नहर पुल से भगवान शिव की बारात निकाली जाएगी। कई प्रकार के आकर्षण इन्हें खास बनाएंगे। अगले दिन दुरपा रोड़ शिव काली मंदिर में दोपहर 12 बजे से भंडारा होगा।

आयोजन समिति ने बताया कि शिव मंदिर से बारात दोपहर 3 बजे प्रारंभ होगी। मुख्य मार्ग का भ्रमण करते हुए यह शिव काली मंदिर पहुंचेगी। इस बारात में भगवान शिव के प्रतीक विशाल नंदी पर सवार होंगे। उनके साथ गण का समूह भी होगा। कई प्रकार के प्रयोग इसमें शामिल किए जा रहे हैं। आतिशबाजी के बीच बारात शिव काली मंदिर दुरपा रोड पहुंचेगी। यहां परंपरा के साथ शिव-पार्वती का विवाह होगा। शाम 7 बजे इसी स्थान पर अद्भुत झांकियां प्रस्तुत की जाएगी। रात्रि 9 बजे भगवान शिव की महाआरती की जाएगी। बताया गया कि 16 फरवरी को दोपहर में विशाला भंडारा होगा। समिति ने समस्त भक्तों से आग्रह किया है कि इस आयोजन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर सफलता प्रदान करें।

महाशिवरात्रि पर्व के परिप्रेक्ष्य में शिव मंदिर एसईसीएल, मृत्युंजय मंदिर नगर निगम कालोनी, हेलीपेड मंदिर, पंचदेव मंदिर पुराना बस स्टैंड और त्रिलोकीनाथ मंदिर सर्वमंगला परिसर में भव्य आयोजन करने की तैयारी की गई है।

गाड़ियों से ब्लैक फिल्म उतारकर ट्रैफिक पुलिस तोड़ रही घमंड

कोरबा। सड़क सुरक्षा जागरूकता माह संपन्न होने के बाद सभी चीजें बंद हो गई है, यह नहीं सोचना चाहिए। नियम पालन के साथ-साथ नियम तोड़ने के मामले में ट्रैफिक पुलिस की कार्यवाही जारी है। उसने ब्लैक फिल्मों को हटवाने का अभियान शुरू किया। इसके जरिए उन लोगों का घमंड तोड़ा जा रहा है जो इसके जरिए यह दिखाने की चेष्टा कर रहे थे कि वे कार्यवाही से बचे रहेंगे।

लाखों की गाड़ियों में अवैध रूप से ब्लैक फिल्म लगाने को लेकर कुछ लोगों को बराबर भ्रम बना रहा कि इस पर कुछ हो ही नहीं सकता। कोरबा जिले और आसपास के क्षेत्रों से संबंधित ऐसी गाड़ियों को अब विभिन्न प्वाइंट पर निगरानी में रखा जा रहा है। अफसरों के निर्देश पर मैदानी अमले ने कार्यवाही तेज की। स्थानीय स्टाफ ने शुक्रवार को ऐसी अनेक गाड़ियों को रूकवाया और बिना किसी मुरौव्वत के उनमें लगी ब्लैक फिल्मों को हटा दिया। हालांकि इस दौरान वाहन चालकों ने धमक दिखाने की कोशिश की लेकिन एक नहीं चली। पुलिस ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने सुरक्षा को लेकर जो गाइड लाइन जारी किए हैं उसे तो मानना ही पड़ेगा। गाड़ियों में अगर ब्लैक फिल्में लगाई गई है तो यह उदासीनता व उपेक्षा है। ऐसे प्रकरणों में फिल्म हटेगी भी और पेनाल्टी भी होगी। पुलिस ने कहा कि यह अभियान कोई खास दिन का नहीं है बल्कि इसे लगातार चलाया जाएगा। इससे पहले अवैध पार्किंग पर पुलिस ने सैकड़ों वाहनों में लॉक की कार्यवाही के साथ पेनाल्टी की। मनमानी करने के साथ-साथ शराब के नशे में वाहन चलाने से संबंधित प्रकरणों में 185 की कार्यवाही की जा रही है और ऐसे हर प्रकरण में कोर्ट से पेनाल्टी का विधान है।

करीब है होली : पलाश के पेड़ों पर चटक केसरिया रंग वाले फूलों की उपस्थिति लगातार बढ़ रही है। होली पर इसके प्राकृतिक रंग के उपयोग करने की परंपरा है। कोरबा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पलाश का ये नजारा लोगों को हर्षित कर रहा है।

बैठक 15 को

कोरबा। बसपा के प्रदेश महामंत्री राधेश्याम सूर्यवंशी का 15 फरवरी को कोरबा आगमन हो रहा है। वे निहारिका क्षेत्र में आयोजित बैठक में शामिल होंगें। बैठक में कोरबा विधानसभा के अध्यक्ष गज्जू चौहान, कटघोरा के राघवेन्द्र मनहर सेक्टर में किये जा रहे कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

योगेश लेंगे सलिहाभांठा में आज बैठक

कोरबा। आज कटघोरा नगर मंडल की बैठक सलिहाभांठा में आयोजित की गई है। जिसमें प्रभारी योगेश जैन विकसित भारत जीरामजी को लेकर बैठक लेंगे। इस बैठक में विधायक प्रतिनिधि प्रीतम देवांगन अभिषेक गर्ग, समजीत सिंह, पियुष अग्रवाल, रमेश श्रीवास, टिकैत डोंगरे, श्याम कुमार साहू सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। जीरामजी के जिला संयोजक चुलेश्वर राठौर द्वारा सभी मंडलों में प्रभारी नियुक्त किये गए हैं। यह सभी प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर बैठक ले रहे हैं।

बाजार के दिन बुधवारी का डिवाइडर बन जाता है लोगों के लिए पार्किंग

इस इलाके में अतिक्रमण हटा पर पुरानी समस्या कायम

कोरबा। शहर के बुधवारी बाजार मुख्य मार्ग पर बनाया गया डिवाइडर इन दिनों यातायात व्यवस्था सुधारने के बजाय खुद अव्यवस्था की वजह बन गया है। नगर निगम ने आवागमन को सुचारु रखने के लिए सड़क के बीच डिवाइडर का निर्माण कराया था, लेकिन बाजार दिवस पर यही डिवाइडर अवैध पार्किंग स्थल में तब्दील हो जाता है।

बाजार लगने वाले दिन बड़ी संख्या में दुपहिया वाहन चालक सड़क किनारे से लेकर बीच डिवाइडर तक अपने वाहन खड़े कर देते हैं। हालत यह हो जाती है कि राहगीरों और वाहन चालकों के लिए यह समझ पाना मुश्किल हो जाता है कि यह पार्किंग स्थल है या यातायात नियंत्रण के लिए बनाया गया डिवाइडर। सड़क का बड़ा हिस्सा वाहनों से घिर जाने के कारण आवागमन बाधित होता है। जाम की स्थिति बनती है और दुर्घटना की आशंका भी बढ़ जाती है। नगर निगम ने बाजार क्षेत्र को व्यवस्थित करने के लिए कई स्तरों पर प्रयास किए हैं। आसपास से अतिक्रमण हटाया गया है और सड़क को चौड़ा करने की कोशिश भी की गई है। इसके बावजूद मनमानी पार्किंग पर अब तक प्रभावी रोक नहीं लग पाई है। न तो नियमित कार्रवाई हो रही है और न ही वैकल्पिक पार्किंग व्यवस्था विकसित की गई है। परिणामस्वरूप, बाजार दिवस पर हर सप्ताह वही समस्या दोहराई जाती है। बाजार में खरीदारी करने आने वाले लोग भी इस अव्यवस्था से परेशान हैं। पैदल चलने वालों को वाहनों के बीच से निकलना पड़ता है, वहीं चारपहिया वाहनों को लंबा जाम झेलना पड़ता है। आपातकालीन सेवाओं के लिए भी रास्ता निकालना चुनौती बन जाता है। सवाल यह है कि जब डिवाइडर यातायात को सुचारु बनाने के लिए बनाया गया था, तो उस पर पार्किंग कैसे होने दी जा रही है? क्या निगम सख्त कार्रवाई करेगा? क्या बाजार क्षेत्र के लिए अलग पार्किंग जोन तय होगा? जब तक ठोस और स्थायी समाधान नहीं निकलेगा, तब तक बुधवारी बाजार में हर सप्ताह यही अव्यवस्था दोहराती रहेगी। शहरवासियों को अब इंतजार है कि आखिर व्यवस्था कब दुरुस्त होगी?

पानी टंकियों की साफ सफाई के लिए तैयारी

कोरबा। एसईसीएल कोरबा पूर्व के पानी टंकियों के अलावा सभी कालोनियों में सफाई व्यवस्था पर जोर दिया जा रहा है। वेलफेयर कमेटी के सदस्यों ने कालोनी का निरीक्षण करने के बाद पानी टंकियों में सफाई करने को कहा है। जिसके लिए प्रबंधन ने तैयारी शुरू कर दी है। वेलफेयर कमेटी के दिनेश साहू, बाबूलाल चंद्रा, डीपी लहरे, एनके साव, अब्दुल माजिद ने कहा कि पेयजल आपूर्ति के लिए जो बधाएं आ रही है उसे दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके अलावा कालोनी में जो कार्य किये जा रहे हैं। उस पर भी पूरा ध्यान दिया जा रहा है। साफ सफाई व्यवस्था के लिए प्रबंधक से भी मांग की गई है। आने वाले दिनों में कालोनी के सभी मरम्मत कार्य करा लिए जाएंगे।

*कटघोरा। यहां के मीना बाजार मैदान में चल रहे कृषि मेला को तीन दिन बाकी रह गए हैं। महाशिवरात्रि तक यह चलेगा। इस वर्ष मेला विवादित रहा।

स्वयं को जिम्मेदार नागरिक बनाना भी राष्ट्र के लिए होगी बड़ी सेवा : हरिशचंद्र द्विवेदी

कमला नेहरू महाविद्यालय में हुआ बौद्धिक सत्र

कोरबा। देश-समाज को बेहतर दिशा की ओर अग्रसर करने से पहले हमें मानव होने के नाते सर्वप्रथम स्वयं को श्रेष्ठ बनाने की ओर काम करने की जरुरत है। हम केवल इन पांच बातों को गांठ बांध लें, तो अपने जीवन को श्रेष्ठ बना सकते हैं और विकसित भारत-2047 का लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। पेड़ लगाएं, पानी बचाएं, सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करें, भेद-भाव त्याग कर सामाजिक समरसता को जीवन में शामिल करें और स्वयं का बोध करें।

ये अमूल्य विचार मध्यप्रदेश से आए शासकीय शिक्षा महाविद्यालय रीवा के वरिष्ठ एवं अनुभवी प्राध्यापक डॉ हरिशचंद्र द्विवेदी ने बीएड प्रशिक्षार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान करते हुए कहीं। गुरुवार को कमला नेहरु महाविद्यालय कोरबा के शिक्षा संकाय में बौद्धिक सत्र का आयोजन किया गया। इस दौरान डॉ द्विवेदी ने कहा कि शिक्षा प्राप्त कर लेना काफी नहीं है। स्वयं को जिम्मेदार व कुशल नागरिक के रुप में ढालना भी उतना ही जरुरी है और तभी हम अपने इस विकासशील देश को विकसित भारत में रुपांतरित कर सकते हैं। उन्होंने पांच गूढ़ बातों को विस्तारित करते हुए कहा कि सर्वप्रथम हम यह मानें कि धरती हमारी माता है। विश्वबंधुत्व का यह विचार मन में हो तो हम कभी भ्रष्टाचार नहीं करेंगे, दूसरों को खुद से कमतर नहीं आंकेंगे और भेद-भाव की दुर्भावना से परे होकर पूरे भारत को एकता के सूत्र में पिरोया जा सकेगा। दूसरी बात यह कि हम अपनी संस्कृति, भाषा, भूषा और भवन का सम्मान करें। अपनी वेशभूषा धारण करें, मातृभाषा या राष्ट्रभाषा का प्रयोग करें। तीसरी बात यह कि प्रकृति व पर्यावरण को बचाने की नैतिक जिम्मेदारी निभाएं, पौधरोपण करें और सिंगल यूज प्लास्टिक को जीवन से बाहर करें। चैथी बात यह कि पानी बचाएं, शिक्षा के साथ-साथ स्वयं का कौशल निखारें, कुशल बनें और किसी भी काम को छोटा न समझें। सबसे महत्वपूर्ण यह कि भविष्य के लिए जल बचाएं, क्यों हम सब जानते हैं कि बिन पानी सब सून।

कार्यक्रम में अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में वाणिज्य एवं वित्तीय अध्ययन विभाग के प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष डॉ अतुल कुमार दुबे भी मौजूद रहे और मार्गदर्शन प्रदान किया। परिसर में पौधरोपण किया। कार्यक्रम के अंत में कमला नेहरु महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ प्रशांत बोपापुरकर एवं शिक्षा संकाय की विभागाध्यक्ष डॉ भारती कुलदीप ने शॉल-श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर डॉ अतुल कुमार दुबे व डॉ हरिशचंद्र द्विवेदी का सम्मान किया। इस अवसर पर श्री अग्रसेन कन्या महाविद्यालय कोरबा में सहायक प्राध्यापक डॉ किरण वाजपेयी, डॉ अंजू खेस्स, श्रीमती प्रीति द्विवेदी, नितेश यादव, शंकर यादव, राकेश गौतम एवं कुणाल दासगुप्ता उपस्थित रहे।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com